डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 28 साप्ताहिक समाचार पत्र मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की...

जयपुर >> शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

राज्य के हर थाने में महिला सब इंस्पेक्टर बेहद ज़रूरीः महानिदेशक पुलिस एम एल लाठर

10 जनवरी गत सोमवार पुलिस मुख्यालय जयपुर में नव वर्ष के अवसर पर महानिदेशक पुलिस श्री एम एल लाठर ने नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ मीडिया को संबोधित किया और इस दौरान गत वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए साहसिक निर्णयों व चुनौतियों को मीडिया के साथ साझा किया। इसी धारा में हिलव्यू समाचार सम्पादक शालिनी श्रीवास्तव ने पुलिस विभाग में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने की योजना पर उनसे जानकारी प्राप्त की।

गत वर्ष का प्रतिवेदन एक नज़र में

महानिदेशक पुलिस एम एल लाठर ने 10 जनवरी को मीडिया को संबोधित करते हुए गत वर्ष की प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश में 2020 की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 17% की वृद्धि हुई है लेकिन 2019 की तुलना में 2.27 फ़ीसदी की कमी भी दर्ज की गई है। महिला संबंधित अपराधों की वृद्धि पर पुलिस महानिदेशक लाठर ने कहा कि आवश्यक रूप से निर्बाध पंजीकरण को महत्व दिया जा रहा है। जहाँ 2018 में औसतन 241 दिन का समय किसी भी जांच में लगता था, अब केवल 86 दिन में जांच पूरी हो रही है। पहले कोर्ट के जरिए बलात्कार के 30 फ़ीसदी मामले दर्ज होते थे अब यह संख्या 16 फ़ीसदी है। महिलाओं के संबंध में दर्ज हो रहे मामलों में उन्होंने झूठे मामले दर्ज होने का तर्क भी दिया। पुलिस महानिदेशक ने 2021 के अपराध आंकड़ों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आईपीएस अपराधों में वर्ष 2021 में 2020 की तुलना में 11% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। गंभीर अपराधों के लिहाज़ से डकैती में 2%, नकबजनी में 17.4 प्रतिशत, चोरी में 21.55% और संपत्ति संबंधी मामलों में 20% की बढ़ोतरी देखी गई है लेकिन अपराध के आंकड़ों में बढ़ोतरी से प्रदेश की कानून व्यवस्था का आकलन नहीं किया जा सकता।

पुलिस ने अपराधों की रोकथाम में उल्लेखनीय कार्य किये हैं। भरतपुर और अलवर जिलों में आने वाले मेवात क्षेत्र साइबर अपराध का केंद्र बन गए हैं। इसी वजह से 2022 में साइबर अपराध की जांच को लेकर विशेष कार्य योजना तैयार की जा रही है। तकनीकी जानकारी के लिए तेलंगना पुलिस के साथ इस संबंध में कार्य कर रहे हैं। भरतपुर में एक अलग साइबर क्राइम पुलिस थाना बनाने का फैसला भी किया गया है।

प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने अवैध हथियारों के ख़िलाफ़ विशेष मुहिम छेड़ी है, जिसके तहत प्रदेश में आर्म्स एक्ट के तहत 5357 मामले दर्ज किए गए हैं आर्म्स एक्ट में 5924 अपराधियों को गिरफ़्तार कर 2121 अवैध हथियार और 3904 कारतूस सहित अन्य हथियार बरामद किए गए है।

डीजीपी लाठर ने कहा कि पुलिस कर्मियों का हौसला बढ़ाने के साथ ही पुलिस कर्मियों की समस्याओं के लिए विशेष कदम उठाए उठाए जा रहे हैं। पुलिस मुख्यालय स्तर पर 73 पुलिसकर्मियों को विशेष पदोन्नति दी गई है। 294 पुलिसकर्मियों को नगद इनाम और प्रशंसा पत्र दिए गए हैं। साथ ही 14661 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को डीजीपी डिस्क प्रदान की गई है। पुलिस कर्मियों के बच्चों को छात्रवृत्ति के रूप में पांच करोड़ 16 लाख स्वीकृत किए गए हैं।

महिलाओं और नाबालिग बच्चों के साथ यौन शोषण सहित जघन्य मामलों पर ही नियंत्रण मॉनिटरिंग यूनिट का 23 जनवरी 2020 को गठन किया गया जिसके जरिए सतत निगरानी रखी जाती है

महिला अपराधों को रोकने के लिए सभी थानों में सुरक्षा संघ की समूह का 26 मार्च 2021 को गठन किया गया साथ ही राजस्थान पुलिस द्वारा एक्शन अगेंस्ट वूमेन रिलेटेड क्राइम्स एंड अवेयरनेस फॉर जस्टिस आवाज नामक विशेष अभियान शुरू किया गया

ऑनलाइन फ्रॉड साइबर क्राइम में हो रही बढ़ोतरी को 17 दिसंबर 2021 को बैंक एटीएम सुरक्षा के समय में सभी बैंकों की बैठक लेकर दिशा निर्देश दिए गए ।

राज्य में जयपुर पुलिस द्वारा और साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 155 260 एवं जयपुर के लिए 100 व 112 नंबर दिए गए हैं वर्ष 2021 में अप्रैल से नवंबर 2021 तक कुल 55 करोड छप्पन लाख बासठ हज़ार सात सौ बानवे रुपए की साइबर ठगी शिकायत प्राप्त हुई जिसमें से पाँच करोड सैंतालीस लाख आठ हज़ार तीन सौ अड़सठ रुपए की बरामदगी की गई।

सीआईडी अपराध शाखा ने भी वर्ष 2021 में बेहतरीन आसूचना संकलन कर उनके स्तर से पूरे राज्य में कार्रवाई करते हुए 22 प्रकरणों में 2365 किलो गांजा,280 ग्राम स्मेक, 62 किलो 750 ग्राम अफ़ीम व 97 क्विंटल डोडा चूरा जप्त किया।

राजस्थान देश में प्रथम व एकमात्र ऐसा राज्य बना जहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय से सीधी सीसीटीएनएस में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है माह जून 2019 से लागू इस व्यवस्था के अंतर्गत वर्ष 2021 तक कुल कुल 265 प्रकरण दर्ज हुए हैं।

थानों में महिला अधिकारी की पोस्टिंग के संदर्भ में महानिदेशक एम एल लाठर से रूबरू

प्रश्न : सर थानों में महिला पुलिस की कमी पूर्ति के लिए क्या योजना बनाई गई है?

उत्तर : इस वक्त कई थानों में महिला कांस्टेबल महिला सब इंस्पेक्टर की कमी है। कम से कम 10% महिला किसी भी थाने में होनी चाहिए और हमारी कोशिश है कि महिला सब इंस्पेक्टर हर थाने में उपलब्ध हो। किसी भी बाल अपराध और किसी भी महिला उत्पीड़न के मामले आने पर कोई महिला आसानी से दूसरी महिला का दर्द समझ सकती है। बाल अपराध में बच्चों को हैंडल करने के लिए भी महिला पुलिसकर्मी का थाने में होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि मातृत्वभाव इस केस में बेहद ज़रूरी होता है। इसलिए हमारी कोशिश है कि 10% महिला कॉन्स्टेबल या सब इंस्पेक्टर हर थाने में उपलब्ध हो सकें।

आईजीपी जयपुर गौरव श्रीवास्तव से चर्चा-

प्रश्न : किसी भी विभाग में महिला पद 40% होना चाहिए इस बारे में आप क्या कहेंगे?

उत्तर : आईजीपी श्रीवास्तव ने कहा कि न केवल राजनीति, पुलिस या मीडिया बल्कि हर विभाग में 33-40% महिला पद होना ही चाहिए। महिलाएं किसी भी कार्य के लिए उतनी ही सक्षम हैं जितने कि पुरुष। किसी भी विभाग में कई बार संवेदनशील मामलों में महिलाकर्मी की आवश्यकता ज़्यादा होती है अतः हर विभाग में महिला पद होना ही चाहिए और वह भरा होना चाहिए।

डीवाईएसपी क्राईम ब्रांच जयपुर पुष्पेन्द्र सिंह से चर्चा

प्रश्न : किसी भी विभाग में महिलाओं की भूमिका पर आपके विचार?

उत्तर : इस दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में बहुत आगे हैं। केवल पुलिस विभाग ही नहीं सभी विभागों में उनकी उपस्थिति किसी भी विभाग के लिए बेहद जरूरी है। मीडिया, पुलिस, राजनीति या कोई भी संवेदनशील विभाग हो महिलाएं बख़ूबी अपनी सशक्त भूमिका निभा रही हैं। कई बार महिला अपराधी की धरपकड़ हो या महिला उत्पीड़न का मामला या बाल अपराध में लिप्त बच्चों का कोई भी मामला। ऐसे में विभाग में महिलाओं का होना विभाग को मज़बूत करता है और कार्रवाई करने में आसानी होती है।

ख़बर-बेख़बर

नगर निगम जयपुर ग्रेटर व हेरिटेज में रिश्वत और कमीशन खोरी चरम पर

जयपुर शहर के हालात बयां करते हैं कि शहर के सौंदर्य व पहचान के रक्षक ही भक्षक बन गए हैं।

रिश्वतखोरी और कमीशन खोरी अब बेख़ौफ़ हो गई है। जनप्रतिनिधियों और अफसरों का एक बड़ा गिरोह सक्रिय है,जो अंज़ाम देता है,किसी भी अवैध,ग़ैर-क़ानूनी काम को, बदले में बड़ी रक़म या साधन संसाधन उनके घर-द्वार पर पहुँचा देते हैं माफ़िया।

02 से 10 प्रतिशत तक कमीशन खोरी फिक्स्ड है। जिसमें चुनींदा ठेकेदार,शीर्ष अफसर व जनप्रतिनिधियों का नापाक गठजोड़ शहर के अवैध निर्माण,अवैध वसूली,अवैध बिल पास करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। और तो और यह रिश्वतखोरी और कमीशन ख़ोरी के छींटे अब वित्तीय सलाहकार व आयुक्त तक भी पहुँच चुके हैं।

नगर निगमों में जारी ठेकों के बिल पास करने में भारी भ्रष्टाचार व सीलबन्द अवैध इमारतों की सील खुलवाने की डील में बेहद सक्रिय है ये गिरोह। पहले अवैध निर्माणों को सपोर्ट किया जाता है मौन रहने का मेहनताना मिल ही जाता है फिर विरोधों का हवाला देकर कई बिल्डिंग्स सील बन कर दीं जाती हैं, जिनकी सील खोलने के एवज में बड़ी रक़म वसूली जाती है। अगर कड़ी को कड़ी-दर-कड़ी पकड़ें तो भ्रष्टाचार के यह महीन तार स्वायत्त शासन विभाग तक भी पहुँच चुके हैं।

पूरा शहर गंदगी व अवैध बिल्डिंगों से घिरा हुआ है। प्रशासन और सत्ता के बेहद ज़िम्मेदार लोग ही इसको शह व संरक्षण दे रहे हैं। बस उनकी पूर्ति समय-समय पर होती रहे बल्कि कई अवैध भवनों, कॉम्पलेक्सों में तो हिस्सेदारी भी तय की जा चुकी है।

जयपुर कॉलेज चौड़ा रास्ता का अवैध भवन निर्माण चीख-चीख कर यह राज बयां कर रहा है लेकिन सत्ता की शक्ति के आगे सर झुका है और अवैध निर्माणों का ये कारवाँ शहर में फैलता जा रहा है।

नगर निगम हेरिटज व ग्रेटर की दोनों मेयर तो मात्र एक स्टेच्यू की तरह हैं।

कॉंग्रेस की पार्षद मुनेश गुर्जर,मेयर हेरिटेज जयपुर जहाँ एक और सिर्फ गूँगी-बहरी गुड़िया बनी हुई हैं वहीं बीजेपी की पार्षद शील धाभाई,मेयर ग्रेटर जयपुर कांग्रेस सरकार की दयादृष्टि पर कठपुतली की तरह व्यवहार कर रहीं हैं। सत्ता की शह और लापरवाही से बिल्डरों, नगर निगम जोन,जोन उपायुक्तों व पार्षदों की मिलिभगत और गैर-ज़िम्मेदाराना नज़रिया व व्यवहार जयपुर के आवासीय इलाकों को लगातार कंक्रीट के जंगल में तब्दील कर रहा है। हर कॉलोनी में जी प्लस की अवैध बिल्डिंग्स लगातार बन रहीं हैं। इर्द-गिर्द के लोगों की शिकायतों का अंबार निगमों के द्वार पर जाकर पस्त हो जाता है या जो ज़्यादा शिक़ायत कर दे उसे पस्त कर दिया जाता है। धमकी और दादागिरी का ये नंगा नाच कहीं इस शांति की राजधानी जयपुर को डॉन की मुंबई नगरी तो नहीं बनाता जा रहा?

विधायक रफ़ीक़ खान के क्षेत्र में अवैध निर्माण अब पूर्णता की कगार पर

ढेरों शिकायतों के बावजूद प्रशासन और स्वायत्त शासन दोनों के लिए जूं नहीं रेंगीं क्योंकि कहीं न कहीं मूक सहमति है

प्लाट नं. 88, रामगली नं. 6, राजापार्क

प्लाट नं. 415, गली नं. 5 राजापार्क

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजापार्क, जवाहर नगर, आदर्श नगर आवासीय क्षेत्रों में भी अब अवैध निर्माणों की बाढ़ सी आ गयी है जैसे गल्ले खोल दिये हों भूमाफियाओं ने। नगर निगम ग्रेटर व नगर निगम हैरिटेज के सभी क्षेत्रों में अचानक अवैध निर्माण बढ़ गए हैं। जैसे 'मुद्दई सुस्त तो गधे चुस्त' वाली कहावत यहाँ चरितार्थ हो रही है। बिल्डरों,नगर निगम जोन,जोन उपायुक्तों व पार्षदों की मिलिभगत या गैर-ज़िम्मेदाराना नज़रिए व व्यवहार से इन रिहायशी इलाकों में लगातार अब कंक्रीट का जंगल पनप रहा है। जवाहरनगर में पुराने मकानों को तोड़कर ज़ीरो सैटबेक पर दुकानें व फ्लेट्स अवैध रूप से बन रहे हैं। आदर्श नगर, राजापार्क क्षेत्र में भी पुराने मकानों को तोड़कर अवैध रूप से कॉम्प्लेक्स, फ्लैट्स, दुकानें बनाने का सिलसिला जारी है। क्षेत्र में रहने वाले नागरिक इन अवैध निर्माणों की अवैध गतिविधियों से लगातार परेशान हैं। ट्रेफिक जाम व प्रदूषण से जीना दुर्भर हो गया है। दोनों निगमों की यह लापरवाही लगातार शहर की खूबसूरती व सूकून पर ग्रहण का काम कर रही है। विधायक महोदय को ये ख़बर नहीं है यह थोड़ा संशय में लगता है। आख़िर शासन और प्रशासन के सारे वाशिंदें क्यों ख़ामोश हैं यह सोचने का गंभीर विषय है।

प्लाट नं. 315 बी, गली नं. 07 राजापार्क

गली नं.02 राजापार्क

3/399, मेन मार्केट राजापार्क

आवासीय क्षेत्र में भी अवैध निर्माण जारी...

राजापार्क, जवाहर नगर, आदर्श नगर आवासीय क्षेत्रों में अवैध निर्माणों की बाढ़!

नगर निगम ग्रेटर व नगर निगम हैरिटेज में आने वाले इन क्षेत्रों में अचानक अवैध निर्माण बढ़ गए हैं। जैसे 'मुद्दई सुस्त तो गधे चुस्त' वाली कहावत यहाँ चरितार्थ हो रही है। बिल्डरों, नगर निगम जोन,जोन उपायुक्तों व पार्षदों की मिलिभगत या गैर-ज़िम्मेदाराना नज़रिए व व्यवहार से इन रिहायशी इलाकों में लगातार अब कंक्रीट का जंगल पनप रहा है। क्षेत्र में रहने वाले नागरिक इन अवैध निर्माणों की अवैध गतिविधियों से लगातार परेशान हैं। ट्रेफिक जाम व प्रदूषण से जीना दुर्भर हो गया है। दोनों निगमों की यह लापरवाही लगातार शहर की खूबसूरती व सूकून पर ग्रहण का काम कर रही है।

नगर निगम ग्रेटर व नगर निगम हेरिटेज के सभी इलाकों में अवैध निर्माण लगातार बढ़ रहे हैं बल्कि कुछ तो अब पूर्णता की कगार पर भी हैं। निगम प्रशासन व स्वायत्त शासन का लगातार शिकायतों सूचनाओं को नजरअंदाज़ किया जाना यह साबित करता है कि यहाँ भी सांठगांठ हो चुकी है। प्रशासन और स्वायत्त शासन दोनों के पेट भर दिए गए हैं। ग्रेटर में पड़ा एसीबी का ज़ोरदार छापा यह सच उजागर भी करता है। सैटबैक ना छोड़ना,रिहायशी कॉलोनी में व्यवसायिक भवनों बनना यानी अवैध निर्माणों का ये अंबार घूसखोरी और कमीशन ही नहीं दर्शाता बल्कि इन अवैध निर्माणों में शासन-प्रशासन की हिस्सेदारी, साझेदारी या पार्टनरी को भी साबित करता है।

ग्रेटर नगर निगम जयपुर पर एसीबी का छापा

कमीशनखोरी की शिकायतों के चलते एसीबी ने ग्रेटर निगम पर की कार्यवाही

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने ग्रेटर नगर निगम में ठेकेदारों से कार्यों के बिलों के भुगतान के एवज में 2 से 3त्न कमीशन लेने के मामले में एफआईआर दर्ज की। एफआईआर में आठ लोगों को नामजद किया गया और अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ठेकेदारों के नाम शेष रखे गए। एसीबी ने अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच आपस में घूस की रकम को लेकर करोड़ों रुपए के लेन देन और रिश्वत राशि के संबंध में हुई बातचीत को रिकॉर्ड भी किया। इसी संदर्भ में एसीबी ने 8 घंटे ग्रेटर नगर निगम की फाइलों को भी खंगाला और कई फाइलें अपने कब्ज़े में लीं। एसीबी ने नगर निगम के वित्तीय सलाहकार अचलेश्वर मीणा, ठेकेदार अनिल अग्रवाल और धन कुमार जैन को गिरफ्तार किया था जबकि प्रकरण में सहायक लेखा अधिकारी यतेंद्र सांखला,लिपिक श्रीकांत पारीक, ठेकेदार गोविंद कुमार, गंगाराम मीणा और अभिषेक जैन उर्फ टीटू को नामजद किया। कार्रवाई के बाद निगम में एक डर का माहौल बन गया है। यूँ भी सीटें ख़ाली ही होतीं थीं क्योंकि सेटिंग तो बाहर करनी पड़ती है मगर अब अत्यधिक सीटें और खाली दिखाई देने लगीं हैं। एसीबी की सर्च के दौरान निगम के एक्सईएन से लेकर जेईएन भी कार्यालय के आसपास नजर नहीं आ रहे । चुनिंदा उपायुक्त ही वहाँ पर दिखाई दे रहे हैं। शहर की आबोहवा में यह रिश्वतखोरी और कमीशनखोरी घुल गयी है। जहाँ आम आदमी और ईमानदार आदमी का साँस लेना मुश्किल होता जा रहा है।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

02

जयपुर >> शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022

संपादकीय

रिजर्व बैंक को सोचना चाहिए कि आखिर अपने ही देश के निवेशकों को भारत में निवेश करना रास क्यों नहीं आ रहा है?

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार बीते ढाई वर्षों में भारत का पूंजी खाता ऋणात्मक रहा है। जितनी पूंजी हमें मिली है उससे ज्यादा पूंजी हमारी देश से बाहर गई है। यह पलायन लगातार हो रहा है। कोविड संक्रमण के महीनों में ऐसा अधिक हुआ है। वैसे पूंजी पलायन का कारण केवल कोविड ही नहीं है, क्योंकि एक तो यह संकट लगातार कायम है और केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। इसलिए कोविड ग्रस्त भारत से कोविड ग्रस्त अन्य देशों को पूंजी पलायन अन्य कारणों से ही हुआ है। यह कहने की जरूरत नहीं कि पूंजी पलायन से देश को नुकसान होता है। बिल्कुल वैसे जैसे जूलरी चोरी हो जाए तो परिवार गरीब हो जाता है। ऐसे गंभीर तथ्यों के बावजूद रिजर्व बैंक ने पूंजी के मुक्त आवागमन की जोरदार वकालत की है। इस विषय पर बैंक द्वारा गठित कमेटी ने पूंजी के मुक्त आवागमन के कई लाभ बताए हैं।

पहला यह कि देश में निवेश के लिए पूंजी की उपलब्धता बढ़ जाती है। यह सही नहीं, क्योंकि रिजर्व बैंक के ही आंकड़े बताते हैं कि हमारी पूंजी बाहर जा रही है। दूसरा लाभ यह बताया है कि इससे पूंजी की लागत कम हो जाती है। यदि हमें भारी मात्रा में विदेशी पूंजी उपलब्ध हो जाए तो उस पर अदा किया जाने वाला लाभांश कम हो जाता है। यह भी सही नहीं, क्योंकि पूंजी पलायन से पूंजी की उपलब्धता घटने के साथ ही लागत भी बढ़ रही है। अपने देश में निवेश कम होना और विकास दर का गिरना भी इस कथित लाभ की भ्रामकता को बताता है। तीसरा यह कि घरेलू निवेशकों के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार में पहुंच बढ़ जाती है यानी बंबई स्टाक एक्सचेंज के साथ ही न्यूयार्क में भी निवेश का अवसर मिल जाता है। हालांकि यह मुख्य रूप से अमीरों के लिए ही लाभप्रद है और देश के लिए व्यापक रूप से नुकसानदेह, क्योंकि इससे देश में निवेश कम होता है और रोजगार के अवसर भी कम सृजित होते हैं। चौथा लाभ यह बताया है कि हमारे घरेलू निवेशक विविध प्रकार के निवेश कर सकते हैं। यह तथ्य भी सही है, लेकिन अपने देश में ही विविध प्रकार के निवेश के अवसर क्यों न बढ़ाए जाएं? इस प्रकार रिजर्व बैंक द्वारा पूंजी के मुक्त आवागमन के पक्ष में दिए गए तर्क अमीरों के लिए लाभप्रद हो सकते हैं, परंतु देश के लिए नहीं।

रिजर्व बैंक के दृष्टिकोण के विपरीत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित एक पर्चे में कहा गया है कि विकासशील देशों को अपने आर्थिक अस्त्रों में पूंजी के पलायन पर सीधे रोक लगाने का अस्त्र बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कोरिया और पेरू जैसे देशों में ऐसे प्रतिबंध लगाए जाने के लाभ बताए हैं। वर्तमान परिस्थिति में पूंजी का मुक्त आवागमन और अधिक हानिप्रद हो सकता है। कारण यह कि बीते समय में अपने यहां विदेशी पूंजी के आने का एक कारक अमेरिकी मौद्रिक नीति का नरम रहना है। इससे वहां ब्याज दरें शून्य से 0.25 प्रतिशत प्रति वर्ष रह गई हैं। निवेशकों के लिए यह लाभप्रद हो गया है कि वे अमेरिका में शून्य ब्याज दर पर ऋण लेकर भारत में निवेश करें, जहां उन्हें अधिक लाभ मिल रहा है। अब संकट यह है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा नरम मौद्रिक नीति से पीछे हटने के संकेत दिए जा रहे हैं। इससे अमेरिकी मुद्रा बाजार में मुद्रा का अभाव होगा और ब्याज दरें बढ़ेंगी। यदि ऐसा होता है तो निवेशकों के लिए भारत से पूंजी को वापस अमेरिका ले जाकर अमेरिका में निवेश करना लाभप्रद हो जाएगा। अमेरिका में ही उन्हें ऊंची ब्याज दरों का लाभ मिलेगा और भारत आकर निवेश करना जरूरी नहीं रह जाएगा। इसलिए समय रहते रिजर्व बैंक को अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के द्वारा सुझाई गई पूंजी के पलायन पर सीधे रोक लगाने की नीति पर विचार करना चाहिए।

रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि पूंजी के आवागमन को छूट देने के साथ-साथ वित्तीय घाटे पर नियंत्रण जरूरी है। वर्तमान में देश का वित्तीय घाटा तेजी से बढ़ रहा है। यह वृद्धि कोविड संकट के कारण होने से इसके विपरीत प्रभाव में कोई अंतर नहीं पड़ेगा। इसलिए रिजर्व बैंक अपनी ही बात के विरुद्ध आचरण कर रहा है। एक तरफ रिजर्व बैंक कह रहा है कि पहले वित्तीय घाटे पर नियंत्रण हो और उसके बाद पूंजी के आवागमन को छूट दी जाए, लेकिन दूसरी तरफ वित्तीय घाटा बढ़ने के साथ पूंजी आवागमन की छूट को भी बढ़ा रहा है। ज्ञात हो कि रिजर्व बैंक ने उदार रेमिटेंस योजना के अंतर्गत भारतीयों को अपनी पूंजी को विदेश में भेजकर निवेश करने की छूट हाल में ही बढ़ाई है।

जर्नल आफ इंडियन एसोसिएशन आफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस पत्रिका में कहा गया है कि भारत से पूंजी का पलायन देश से होने वाले निर्यात को कम मूल्य पर दर्शा कर और आयात को अधिक मूल्य पर दिखा कर बड़ी मात्र में हो रहा है। इस पलायन का कारण भारत में भ्रष्टाचार, बाहरी ऋण का बोझ, पूंजी खाते में घाटा और मुक्त व्यापार है। ऊपर से अपने यहां वित्तीय घाटा तेजी से बढ़ रहा है। इन समस्याओं के रहने से हमारी पूंजी का पलायन होगा ही, लेकिन रिजर्व बैंक इन समस्याओं को दूर करने की वकालत करने के स्थान पर पूंजी के पलायन को बढ़ा रहा है।

रिजर्व बैंक को सोचना चाहिए कि आखिर अपने ही देश के निवेशकों को भारत में निवेश करना रास क्यों नहीं आ रहा है? इसका पहला कारण भ्रष्टाचार और दूसरा सामाजिक वैमनस्य दिखता है। इन कारणों को दूर किए बिना रिजर्व बैंक भारतीय निवेशकों को अपनी पूंजी को बाहर भेजना आसान बना रहा है और भारत सरकार आयात कर की दरों में कटौती कर रही है। यही कारण है कि अपने देश से लगातार पूंजी का पलायन हो रहा है और हमारी आर्थिक विकास दर गिर रही है। अत- हमें भ्रष्टाचार, खुला व्यापार, वित्तीय घाटा और सामाजिक वैमनस्य जैसे पूंजी पलायन के मूल कारणों को दूर करना चाहिए। यदि हम इन समस्याओं को दूर न करें तो पूंजी के मुक्त आवागमन पर रोक लगाकर अपनी पूंजी को अपने देश में निवेशित रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा विकासशील देशों को पूंजी के पलायन पर सीधे रोक लगाने की वकालत पर ध्यान देना चाहिए।

नकली फॉलोअर्स वाली प्रियंका-दीपिका

ट्विटर से लेकर फेसबुक तक पर सेलेब्स खूब एक्टिव रहते हैं. इन सबके बीच बॉलीवुड सेलेब्स इंस्टाग्राम को खूब पसंद करते हैं और अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करते हैं. वहीं हाल ही में में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा का नाम उन सितारों की लिस्ट में है, जिनके सबसे अधिक फेक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स हैं. दीपिका के 48% और प्रियंका के 46% फॉलोअर्स नकली हैं. हालांकि, प्रियंका का नाम उन सितारों में टॉप पर है, जिनके सबसे अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स हैं. प्रियंका के 72.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं. हाल ही में प्रियंका का नाम इंस्टाग्राम से सबसे अधिक कमाई करने वाले सेलेब्स की लिस्ट में शुमार है. वहीं दीपिका के इंस्टाग्राम पर 63.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं और वे तीसरे नंबर पर हैं.

श्रद्धा कपूर

श्रद्धा का नाम दूसरे नंबर पर है. श्रद्धा कपूर के 68.5 मिलियन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स हैं.

कैटरीना कैफ

इस लिस्ट में चौथे नंबर पर कैटरीना कैफ का नाम है. उनके इंस्टाग्राम पर 60.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं.

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार इस लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं. अक्षय के इंस्टाग्राम पर 58.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं.

सलमान का फैमिली पैक

सलमान खान का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनका पेट देखा जा सकता है. उनका फूला हुआ पेट देखकर फैंस काफी सकते में हैं. वीडियो में उनका वजन बढ़ा हुआ है. इसमें वह दबंग फिल्म के गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं. उनको इसके लिए ट्रोल भी किया गया है. एक फैन ने लिखा है, 'पेट को देखो.' वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'भाई के पैक्स तो फैमिली पैक बन गए हैं.' वहीं एक अन्य ने लिखा- 'सुल्तान वाला स्टमक.' एक अन्य ने लिखा है- 'पेट बहुत निकल गया है, जिम को बाय बाय कर दिया क्या?'

विद्युत ने शेयर किया वीडियो, रितिक रह गए दंग

जवान के शॉकिंग स्टंट्स

विद्युत जामवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो क्लिप पोस्ट की है, जिसमें एक जवान ने कमाल के स्टंट्स किए हैं. स्टंट करने वाले जवान का नाम अनमोल चौधरी है. ट्विटर और सोशल मीडिया पर उनकी काफी तारीफ हो रही है और वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. विद्युत के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किए हैं. इनमें से रितिक रोशन के कमेंट ने सबका ध्यान खींचा है. विद्युत ने जो क्लिप शेयर की है उसमें अनमोल आर्मी यूनिफॉर्म में हैं. वह एक बांस को टेढ़ा झुकाकर उस पर बैलेंस बनाते हैं. फिर कुर्सियों के ढेर पर उल्टे लेटकर चढ़ते दिखते हैं तो कभी पानी से भरी बाल्टी पर चलते दिखाई दिए हैं. उनके ये स्टंट्स वाकई हैरान करने वाले हैं. विद्युत ने क्लिप के साथ 'जय हिंद' लिखा है. साथ में कलारीपयट्टू हैशटैग दिया है जो कि एक मार्शल आर्ट का फॉर्म है. उनके पोस्ट पर कई लोगों ने अनमोल की तारीफ की है. रितिक रोशन ने भी लिखा है, अमेजिंग. वह अपनी फिल्मों में टफ स्टंट्स करते दिखाई देते हैं. उन्हें भी कलारीयपट्टू में महारथ हासिल है. उन्होंने केरल के आश्रम में इसकी ट्रेनिंग ली थी, जिसे उनकी मां चलाती थीं. विद्युत 25 देशों में अपने लाइव एक्शन शोज भी कर चुके हैं.

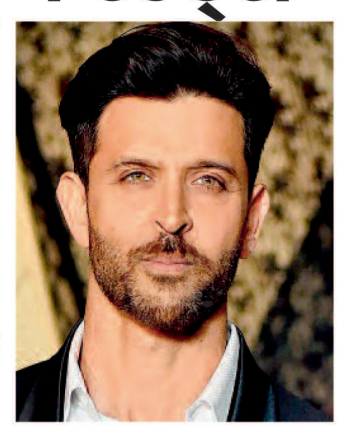

स्पाई थ्रिलर में दिखेंगे गूंगे-बहरे जासूस

अभिनेता अपारशक्ति खुराना नई फिल्म 'बर्लिन' में नजर आएंगे. यह एक सच्ची स्पाई थ्रिलर है और ये देशभक्ति और राजनीतिक पहलुओं पर आधारित है. इसकी कहानी 90 के दशक की शुरुआत में दिल्ली पर आधारित होगी. वही फिल्म निर्माताओं का कहना है कि 'बर्लिन' एक साइन लैंग्वेज विशेषज्ञ की कहानी है, जो हॉरिजन लाइन के साथ खुफिया एजेंसियों की चालकी, करप्शन और अपराध पर आधारित है. निर्माता ने कहा, हमारे पास स्पाई थ्रिलर फिल्मों का एक महान इतिहास है. ये थ्रिलर गूंगे और बहरे जासूस के इर्द-गिर्द बनी है. साथ ही 90 के दशक में दिल्ली शहर को देखना देश के इतिहास में एक रोमांचक वक्त को कवर करते हुए अपनी तरह की पहली फिल्म होगी. टीम इस जादुई फिल्म को पर्दे पर लाने के लिए बेहद उत्साहित है.

मिस हीटर

अदाकारा सोनल चौहान अपने हॉट और बोल्ड अंदाज को दिखाने की वजह से चर्चा में हैं. अपनी बिकिनी तस्वीर को उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है. इस तस्वीर में उन्होंने ब्लैक कलर की बिकिनी पहनी हुई है. इसके साथ ही उन्होंने एक शर्ट डाली हुई है, जो बिल्कुल ओपन है. इस तस्वीर में सोनल किनारे बोल्ड अंदाज में पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं. उनके फैंस उनकी तस्वीर को खूब पसंद कर रहे हैं, साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'आग लगी जो दिल में.' दूसरे यूजर ने लिखा, 'समुद्र के अंदर न जाना वरना पूरा पानी गर्म हो जाएगा, मिस हीटर.' अन्य यूजर ने लिखा, 'पारा बढ़ा रही हो.' इनके अलावा और भी कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट कर उनकी बिकिनी तस्वीर की तारीफ की है. सोनम चौहान ने साल 2008 में फिल्म 'जन्नत' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है. अपनी पहली फिल्म से ही वह दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रहीं. इसके बाद सोनम चौहान 'बुड्ढा होगा तेरा बाप', 'पहला सितारा', '3जी', 'पलटन, जैक एंड दिल' में भी नजर आ चुकी हैं.

'राधे श्याम' को 400 करोड़ ऑफर

अभिनेता प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'राधे श्याम' को सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने के लिए मेकर्स को 400 करोड़ रुपये का ऑफर मिला है. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है. ट्रेलर में लोगों को प्रभास और एक्ट्रेस पूजा हेगड़े की दमदार केमिस्ट्री देखने के बाद फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं. ऐसे में दर्शक फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. कोरोना वायरस के कारण दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में सिनेमाघरों को बंद करने का निर्णय लिया है. कई राज्यों में भी पाबंदियां लगाई गई हैं. इसी के मद्देनजर कई फिल्मों की रिलीज डेट भी टल गई हैं. हालांकि फिल्म 'राधे श्याम' के निर्माताओं की मानें तो फिल्म तय रिलीज डेट को 14 जनवरी को आएगी. मेकर्स सिनेमाघरों की अपेक्षा इसे सीधे ओटीटी पर रिलीज करना चाहते हैं. सूत्रों के अनुसार सीधा ओटीटी पर रिलीज के लिए एक प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा फिल्म को 400 करोड़ रुपये की पेशकश की गई है.

TV मैजिक

ज़िंदादिल लड़की

शो 'घर एक मंदिर-कृपा अग्रसेन महाराज की' में संध्या गुप्ता की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री इशिता गांगुली ने कहा कि कहानी में संध्या की एंट्री से गेंदा की जिंदगी में नई समस्याएं और चुनौतियां आती हैं. कहानी में संध्या एक जिंदादिल लड़की है, जो पारंपरिक रूढ़िवादी परिवार से ताल्लुक रखती है. 5 साल पहले वह और वरुण एक-दूसरे से प्यार करते थे, लेकिन उस समय वह शादी करने के लिए तैयार नहीं थी, इसलिए उनका ब्रेकअप हो गया था. संध्या ने फैसला किया था कि वह कभी भी दोबारा वरुण की जिंदगी में लौटकर नहीं आएगी लेकिन संयोग से वह निशा की कजिन निकलती है और इस तरह वह अग्रवाल हाउस में आ जाती है. यह शो एंड टीवी पर प्रसारित होता है.

ऑटो में सुष्मिता

सुष्मिता सेन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह ओटोरिक्शा में बैठी नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में वह ऑटो की पीछे वाली सीट पर बैठी हुई हैं. इस दौरान वह ग्रे शर्ट-पैंट पहने हुए और आंखों पर सनग्लास लगाए ग्लैमरस लुक में देखी जा सकती हैं. सुष्मिता लिखती हैं, 'एटिट्यूट ऑन ऑटोपॉयलट.' फोटो में उनके कलाई पर बना टैटू साफ दिखाई दे रहा है. तस्वीरों को देखकर सुष्मिता के फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं. कोई उन्हें गॉर्जियस, स्टनिंग कह रहा है तो कोई उन्हें फायर से नवाज रहा है. अदाकारा का यह लुक उनकी वेब सीरीज 'आर्या2' का है. इसलिए कोई उन्हें आर्या से भी संबोधित कर रहा है. हाल ही में सुष्मिता ने कहा था कि मैंने जीवन में एक महत्वपूर्ण चीज को स्वीकार कर लिया है कि मैं परफेक्ट नहीं हूं. जितनी तेजी से आप स्वीकार करते हैं, उतनी ही तेजी से आपको एहसास होता है कि आप किसी न किसी बिंदु पर असफल होने जा रहे हैं.

CTET में सफल होने के बाद जॉब्स

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) देश की सबसे बड़ी पात्रता परीक्षाओं में से एक है. CTET में सफल होने के बाद अभ्यर्थी केंद्रीय विद्यालय (KVS), नवोदय (NVS), आर्मी शिक्षक, ERDO जैसे केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षक की नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं. साथ ही इसका प्रमाणपत्र रखने वाले अभ्यर्थी कुछ अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में भी शिक्षक की नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं.

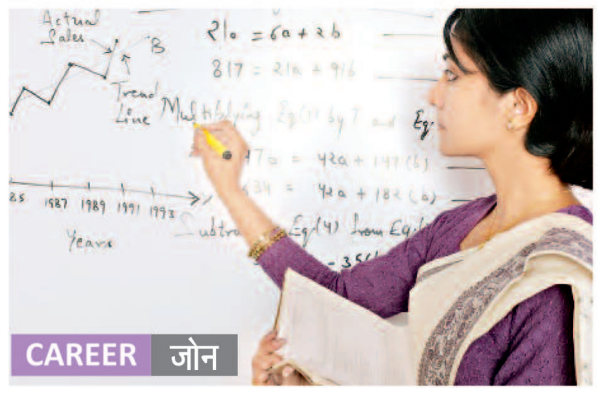

CAREER जोन

करना होगा इतना स्कोर

परीक्षा के दोनों पेपर्स में सफल होने के लिए जनरल कैटेगरी के अभ्यर्थियों को कट ऑफ स्कोर के रूप में 60 प्रतिशत यानी 90 अंक लाना होगा. CTET परीक्षा में 2 पेपर होते हैं. इनमें कक्षा-1 से लेकर कक्षा-5 तक पढ़ाने की इच्छा रखने वाले अभ्यर्थियों को CTET का पेपर-1 और कक्षा-6 से लेकर कक्षा-8 तक को पढ़ाने की इच्छा रखने वाले अभ्यर्थियों को इनका पेपर-2 देना होता है. दोनों पेपर्स में 150 अंक के 150 प्रश्न पूछे जाते हैं.

उद्देश्य

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता वाले तथा कुशल शिक्षकों की भर्ती करवाना होता है. वो विद्यार्थी जो सरकारी तथा अन्य अच्छे विद्यालयों में शिक्षक बनना चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा पहली सीढ़ी की तरह है.

सिलेबस

परीक्षा में नई शिक्षा नीति के मुताबिक तथ्यात्मक ज्ञान और अधिक वैचारिक समझ वाले प्रश्न पूछे जाते हैं. आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक CTET पेपर-1 में अभ्यर्थियों से बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र विषय से 30 प्रश्न, भाषा-1 से 30 प्रश्न, भाषा-2 से 30 प्रश्न, गणित से 30 प्रश्न तथा पर्यावरण अध्ययन से 30 प्रश्न पूछे जाते हैं. जबकि, पेपर-2 में बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र विषय से 30 प्रश्न, भाषा-1 से 30 प्रश्न, भाषा-2 से 30 प्रश्न तथा गणित और विज्ञान या सामाजिक अध्ययन और सामाजिक विज्ञान से 60 प्रश्न पूछे जाते हैं.

नेकबैंड स्टाइल वायरलेस ईयरफोन

ओप्पो ने एन्को एम32 नेकबैंड स्टाइल वायरलेस ईयरफोन लांच किया है, जो 10 मिनट में क्विक चार्ज होता है. इसमें 10 मिमी के डायनामिक ड्राइवर्स हैं, जो शानदार बेस, साफ मिड एवं क्रिस्प हाई के साथ संतुलित आवाज प्रदान करते हैं. यह स्ट्रीमिंग पर विस्तृत साउंड क्वालिटी के लिए एएसी ऑडियो फॉर्मेट को सपोर्ट करता है. यह डस्ट एवं वॉटर रेजिस्टेंट है. इसके ईयरबड्स में एक हॉल मैग्नेटिक स्विच है. जब 2 ईयरबड गले के चारों ओर आपस में चिपक जाते हैं तो संगीत पॉज हो जाता है और जैसे ही मैग्नेट अलग हो जाते हैं, तो संगीत फिर से बजने लगता है. इसमें ड्युअल डिवाइस, फास्ट स्विचिंग फंक्शन है, जिसके द्वारा 2 डिवाइस के बीच फ्री फ्लो होता है और ब्लूटूथ सिग्नल स्विचिंग उसी के अनुरूप होती है. इसमें ब्लूटूथ 5.0 है व एआई कॉल न्वॉइज रिडक्शन एलगोरिद्म है.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

03

जयपुर >> शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022

एक नज़र

जयपुर से दिल्ली का सफर महज दो घंटे में होगा पूरा

राजस्थान को होली पर मिलेगी सौग़ात

एजेंसी

नई दिल्ली। इस बार होली पर राजस्थान के लोगों को एक नायाब सौग़ात मिलेगी और यात्री दिल्ली से जयपुर तक का सफर मात्र दो से तीन घण्टे में पूरा कर सकेंगे। दिल्ली-मुबंई एक्सप्रेस-वे के अंतर्गत निर्माणाधीन जयपुर से दिल्ली तक के पहले चरण का मार्च 2022 में पूरा होने की उम्मीद है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में सबसे सफल मंत्री माने जाने वाले केन्द्रीय भू तल और राष्ट्रीय राज मार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने इस काम को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इस एक्सप्रेस-वे का काम पूरा होने पर इस पर वाहन 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगे। यह मार्ग गुड़गांव के राजीव चौक और दिल्ली-मुबंई एक्सप्रेस-वे के सोहाना-दौसा से सिग्नल फ्री रूट होगा।

फिर भी भारी यातायात दवाब के कारण दिल्ली के धौलाकुआं से जयपुर का सफर तीन घंटे का हो सकता है।यह सफर दिल्ली-गुरुग्राम और सोहाना मुंबई एक्सप्रेसवे के जरिये तय होगा। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने सोहना एलिवेटेड रोड के लिए 31 मार्च तक की समय सीमा तय की है। इससे पहले एनएचएआई ने नवंबर 2021 की समय सीमा तय की थी. लेकिन कोविड के दूसरी लहर की वजह से इसे बढ़ाना पड़ा। एनएचएआई ने काम में तेजी लाने और यात्रियों और कार्गो वाहकों को राहत देने के लिए यह काम समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है। यह मार्ग 1,380 किलोमीटर लंबा है।राजस्थान में 374 किलोमीटर लंबा खंड बनाया जा रहा है जिस पर 16 हज़ार 600 करोड़ रुपए की लागत आयेंगी। नरेन्द्र मोदी सरकार में नितिन गड़करी लगातार रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दे रहें है। इसके चलते देश में कई एक्सप्रेस-वे और ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है।

निर्माणाधीन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, दौसा से होकर गुजरेगा जोकि जयपुर से 60 किमी की दूरी से गुजरेगा। एनएच-21 पहलें ही दौसा को जयपुर से जोड़ता है। यात्रियों को दिल्ली के धौला कुआं से जयपुर तक सोहना और दौसा के जरिए कुल 270 किमी का सफर करना होगा।अगर कोई एनएच-8 पर यात्रा करता है तो उसे भी लगभग इतनी ही दूरी तय करनी होगी। यह एक्सप्रेस-वे ज्यादा स्पीड वाले वाहनों के लिए बनाया जा रहा है और इस पर 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन दौड़ सकेंगे इसलिए दिल्ली से जयपुर तक की यात्रा का समय घटकर दो घंटे हो जाएगा। बांदीकुई से जयपुर के लिए दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेस-वे को पूरा करने और दिल्ली और जयपुर के बीच आवागमन के समय को कम करके तीन घंटे से कम करने की योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है।

संस्कृत विश्वविद्यालय का ऑनलाइन दीक्षांत समारोह 19 जनवरी को

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह 19 जनवरी को होगा। गुरुवार को विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. अनुला मौर्य की अध्यक्षता में बैठक हुई। कुलसचिव रंजीता गौतम ने बताया कि दीक्षांत समारोह राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में होगा। समारोह में राज्यपाल 16 हजार 851 डिग्रियों का वितरण करेंगे। प्रतिभावान विद्यार्थियों को 31 स्वर्ण पदक प्रदान करेंगे। शैक्षणिक सत्र 2019 की 8629 एवं 2020 की 8222 डिग्रियों का वितरण होगा। शैक्षणिक सत्र 2019 के 15 एवं 2020 के 16 स्वर्ण पदक भी विद्यार्थियों को प्रदान किए जाएंगे। पुरातन शास्त्र में शोध कर चुके 23 शोधार्थियों को भी राज्यपाल विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान करेंगे। समारोह में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र दीक्षांत भाषण प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में 5.22 लाख किसानों के बिजली बिल शून्य

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। प्रदेश के किसानों को आर्थिक सम्बल प्रदान करने के लिए लागू की गई मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में सामान्य श्रेणी ग्रामीण- ब्लॉक ऑवर सप्लाई के मीटर्ड एवं फ्लैट रेट कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में 1000 रुपए प्रतिमाह और अधिकतम 12000 रुपए प्रतिवर्ष का अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा हैं।

यह अनुदान वर्तमान में दिए जा रहे टैरिफ अनुदान के अतिरिक्त दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 1450 करोड़ रुपए के अतिरिक्त अनुदान का भार वहन किया जाएगा। इस योजना के लागू होने से प्रदेश में लघु एवं मध्यम वर्ग के किसानों को कृषि बिजली लगभग निःशुल्क मिल रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना का शुभारम्भ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 17 जुलाई, 2021 को किया गया था। योजना बिलिंग माह मई, 2021 से लागू की गई है।

राजस्थान डिस्कॉम्स के अध्यक्ष भास्कर ए. सावंत ने बताया की मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में दिसम्बर माह तक 9 लाख 39 हजार से अधिक कृषि विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके है और इनको 324 करोड़ रुपए का अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि योजना के लागू होने के बाद दिसम्बर माह तक 5 लाख 22 हजार कृषि विद्युत उपभोक्ताओं के बिजली बिल शून्य हो गए हैं। सावंत ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में कृषि उपभोक्ताओं को कृषि बिजली बिल में 4 रूपये 65 पैसे प्रति यूनिट का टैरिफ अनुदान दिया जा रहा है। 5 रुपए 55 पैसे प्रति यूनिट की बिजली केवल 90 पैसे प्रति यूनिट में किसानों को आपूर्ती की जा रही है शेष 4 रूपये 65 पैसे प्रति यूनिट का अनुदान राज्य सरकार वहन कर रही है। इस अनुदान को देने के पश्चात भुगतान योग्य बिजली बिल राशि में प्रतिमाह 1000 रूपये तक अतिरिक्त अनुदान का समायोजन बिजली बिल में किया जा रहा है और यदि किसी माह बिजली बिल राशि 1000 रूपये प्रतिमाह से कम है तो शेष राशि का समायोजन उसी वित्तीय वर्ष के आगामी माहों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में जयपुर डिस्कॉम क्षेत्र के 312086 कृषि उपभोक्ता लाभान्वित हुए है और इनको बिजली बिलों में 172.94 करोड़ रुपए का अतिरिक्त अनुदान दिया गया है। इसके साथ ही जयपुर डिस्कॉम में 257162 कृषि उपभोक्ताओं के बिजली बिल शून्य राशि के जारी हुए है। इसी तरह अजमेर डिस्कॉम में 398491 लाभान्वित कृषि उपभोक्ताओं को 90.90 करोड़ रुपए का अतिरिक्त अनुदान दिया गया है और 207106

कृषि उपभोक्ताओं के बिजली बिल शून्य राशि के जारी हुए है। जोधपुर डिस्कॉम में 228534 किसान लाभान्वित हुए है इनको 60.25 करोड़ रुपए का अतिरिक्त अनुदान दिया गया है एवं 57322 किसानों के बिजली बिल शून्य राशि के जारी हुए है।

मुख्य सचिव ने किया आईएएस एसोसिएशन के न्यूज़ लेटर का विमोचन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। आईएएस एसोसिएशन राजस्थान के न्यूज लेटर के तीसरे अंक का विमोचन गुरूवार को मुख्य सचिव एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री निरंजन आर्य ने किया। श्री आर्य ने न्यूज लेटर के प्रकाशन के लिए एसोसिएशन की साहित्यिक सचिव एवं संपादक श्रीमती मुग्धा सिन्हा तथा अन्य सहयोगियों को बधाई दी। इस अवसर पर एसोसिएशन के सचिव श्री राजेश यादव, खेल सचिव श्री भास्कर सावंत, सांस्कृतिक सचिव श्री रवि जैन, संयुक्त सचिव श्री समित शर्मा एवं श्री यज्ञमित्र सिंह देव तथा कार्यकारी परिषद् के सदस्य श्री बिष्णु चरण मलिक, श्री रोहिताश्व सिंह तोमर तथा राजस्थान आवासन मण्डल के आयुक्त श्री पवन अरोड़ा भी उपस्थित थे।

न्यूज लेटर की संपादक श्रीमती सिन्हा ने बताया कि नए वर्ष के अवसर पर प्रकाशित न्यूज लेटर के इस तीसरे अंक में विगत वर्ष में एसोसिएशन की ओर से आयोजित किए गए कार्यक्रमों एवं रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी समाहित की गई है। पिछले तीन वर्ष में करीब 50 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। आगे भी एसोसिएशन की ओर से यह गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाती रहेंगी।

फसलों में खराबे का आकलन कर प्रभावित किसानों को जल्द सहायता पहुंचाएः मुख्यमंत्री

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में जारी शीतलहर, पाले एवं ओलावृष्टि के कारण फसलों को हुए नुकसान के मद्देनजर किसानों को राहत देने के लिए तुरंत प्रभाव से विशेष गिरदावरी कराने के निर्देश दिए हैं।

गहलोत ने निर्देश दिए हैं कि खराबे का आकलन कर प्रभावित काश्तकारों को नियमानुसार मुआवजा देने के लिए विशेष गिरदावरी का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राजस्व विभाग ने जिला कलेक्टरों को उनके जिले में रबी फसल 2021-22 (संवत् 2078) में बोयी गई फसलों में हुए नुकसान की शीघ्र विशेष गिरदावरी करवाकर रिपोर्ट संयुक्त शासन सचिव आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को भिजवाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में शीतलहर, पाले एवं ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की प्रारम्भिक सूचना मिली है।

प्रमुख शासन सचिव ने कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के संबंध में अधिकारियों के साथ ली अहम बैठक

आगामी एक से डेढ़ माह पूरी तरह सतर्क रहने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा के निर्देश पर चिकित्सा विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने प्रदेश में कोरोना की तीसरी लहर से मुकाबला करने के लिए गुरुवार को विभाग के सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। प्रमुख शासन सचिव ने स्वास्थ्य भवन में सम्बंधित सभी अधिकारियों को आगामी एक से डेढ़ माह पूरी तरह सजग और सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कोरोना के उपचार में काम आने वाली दवा, टेस्टिंग किट्स, ऑक्सीजन प्लांट्स, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 332 चयनित चिकित्सा संस्थानों में एचडीयू बेड की उपलब्धता, कोविड वैक्सीनेशन सहित कई अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

गालरिया ने कोरोना में काम आने वाली फाइव ड्रग मेडिसिन किट, एन 95 मास्क, रेमडिसिविर इंजेक्शन तथा अन्य जीवन रक्षक दवाओं का एक से डेढ़ महीने तक का स्टॉक रखने की निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूसरी लहर में प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी का सर्वाधिक सामना किया था। प्रदेश में 460 से ज्यादा ऑक्सीजन प्लांटस ने काम करना शुरू कर दिया है। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व अन्य उपकरणों से प्रदेश में 1000 मेट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन उपलब्ध हो सकेगी। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि वर्तमान में 58 हजार से ज्यादा जांचें प्रतिदिन की जा रही है। आने वाले समय में इनकी संख्या एक लाख तक हो सकती है। उन्होंने अधिकारिओं को पर्याप्त मात्रा में टेस्टिंग किट उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

चाइनीज मांझा से कटकर लगभग अलग हो चुका था पैर, डॉक्टर्स ने वापस जोड़ा

पांच घंटे चली सर्जरी, जोड़ सुरक्षित रखते हुए सभी नसें जोड़ी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मकर संक्रांति के पास आते ही चाइनीज मांझे की मार देखने को मिलने लगी है। प्रदेश के सुजानगढ़ जिले में स्कूल से घर जा रहे सुरेश (8) को चाइनीज मांझा हमेशा के लिए अपाहिज बना सकता था लेकिन गनीमत रही कि डॉक्टर ने उसके लगभग कटकर अलग हुए पैर को वापस जोड़ कर ऐसा होने से बचा लिया। जीवनरेखा हॉस्पिटल के सीनियर हैंड एंड माइको सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. विनीत अरोड़ा ने 5 घंटे की सर्जरी में बुरी तरह से कटे पैर को वापस जोड़ दिया।

मांझा पैर में जा उलझा: डॉ. विनीत ने बताया कि बच्चा स्कूल से अपने घर जा रहा था। इस दौरान उसका पैर पर बाइक में उलझा मांझा लिपट गया। बाइक के अचानक चलते ही उसके पैर में लिपटे हुए मांझे ने उसे बहुत गहरी चोट पहुंचा दी। मांझे की चपेट में आने के कारण सुरेश का पैर टखने का जोड़ कटने से लटक गया।

मात्र 10 प्रतिशत चमड़ी और एक नस बची थी: हादसे के दौरान सुरेश का पैर कट गया, लेकिन चाइनीज मांझा नहीं टूटा और उसने पैर को करीब करीब पूरा अलग कर दिया था। बस कुछ चमड़ी और एक नस पर लटका था।

सुरेश को इस गंभीर घायल स्थिति में स्थानीय सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे प्राथमिक उपचार देकर जयपुर के लिए रैफर कर दिया गया। मरीज के दादा उसे जीवन रेखा हास्पिटल लाए। यहां मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. विनीत अरोड़ा ने बच्चे के पैर का ऑपरेशन किया और पैर को फिर से जोड़ दिया।

अपाहिज हो सकता था बच्चा

डॉक्टर विनीत अरोड़ा ने बताया कि उपचार एक कड़ी चुनौती की तरह था। इस दौरान ऑपरेशन पांच घंटे तक चला। इस दौरान पैर के सभी टेंडन्स, नर्व और खून की अन्य नसों की रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की गई। बच्चे के पैर में पच्चीस टांके लगाए गए हैं। वे बताते हैं कि बच्चे के पैर की एक नस ही बची थी बाकी पूरा पैर कट गया था। अगर समय से आपरेशन नहीं हो तो पैर बचना कठिन हो जाता । डॉ. विनीत ने बताया कि चाइनीजज मांझे से हाथ, अंगुली, कलाई कटने के मरीज हर साल देखता हूं परंतु इतनी गंभीर चोट पहली बार देखी है।

भीलवाड़ा जिले के दो राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का वर्चुअल उद्घाटन

ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास ज़रूरीः राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यावहारिक चुनौतियों को दूर करने में डिजिटल माध्यम वरदान साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि दूर-दराज गांवों के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म का लाभ निशुल्क मिल सके, इस दिशा में गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए।

राज्यपाल मिश्र भीलवाड़ा जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देवरिया एवं पनोतिया में स्मार्ट क्लासरूम के वर्चुअल उद्घाटन के बाद गुरूवार को यहां राजभवन से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौर में डिजिटल माध्यम ने शिक्षण व्यवस्था को बाधित नहीं होने दिया। हालांकि, डिजिटल माध्यम के दुष्प्रभावों से बच्चे कैसे बचें, इस पर भी शिक्षकों को ध्यान देने की जरूरत है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें मोबाइल एप, डिजिटल शिक्षा, मूल्यांकन में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के अधिकाधिक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। इसके लिए जरूरी है कि उपेक्षित और कमज़ोर वर्ग के बच्चों में डिजिटल साक्षरता लाने के लिए शिक्षा में एक जीवंत डिजिटल इको-सिस्टम बने।

राज्यपाल मिश्र ने कोरोना टीकाकरण के अभियान में सभी से सकारात्मक सहयोग का आह्वान करते हुए अपना तथा अपनी पात्र संतानों का टीकाकरण शीघ्र करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है। इसके नए-नए रूप सामने आ रहे हैं इसलिए सभी लोग मास्क लगाए रखें तथा दो गज दूरी, और स्वच्छता नियमों की पालना करें।

राज्यपाल ने स्मार्ट क्लासरूम के लिए सहयोग करने वाली समर्थनम संस्था के चेयरमैन जी.के. महांतेश के पूर्ण रूप से दृष्टि बाधित होते हुए भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति यदि ठान ले तो कोई भी शारीरिक बाधा उसके लक्ष्य में आड़े नहीं आ सकती। उन्होंने देवरिया ग्राम पंचायत के राजकीय विद्यालय में खेल सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए सरपंच श्रीमती किस्मत गुर्जर द्वारा अपना एक वर्ष का वेतन दान करने की पहल को भी अनुकरणीय बताया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और वर्तमान विधायक श्री कैलाश मेघवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि संविधान की मूल भावना को यदि सभी नागरिक समझ लेंगे तो राष्ट्र का कल्याण निश्चित है। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से राज्यपाल श्री मिश्र द्वारा संविधान की उद्देश्यिका एवं मूल कर्तव्यों के वाचन की पहल सराहनीय है।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

04

जयपुर >> शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022

लघुकथा

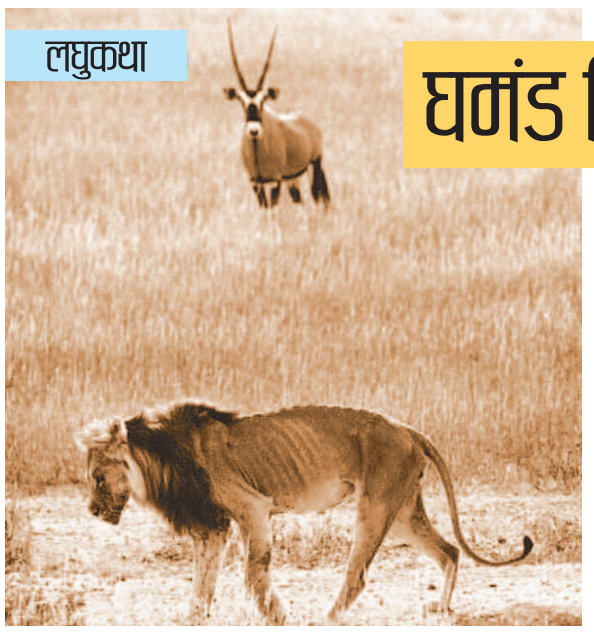

घमंड किस बात का?

एक बार अमेरिका में कैलीफोर्निया की सड़कों के किनारे पेशाब करते हुए देख एक बुजुर्ग आदमी को पुलिसवाले पकड़ कर उनके घर लाए और उन्हें उनकी पत्नी के हवाले करते हुए निर्देश दिया कि वो उस शख़्स का बेहतरीन ढंग से ख़्याल रखें और उन्हें घर से बाहर न निकलने दें। दरअसल वो बुजुर्ग बिना बताए कहीं भी और किसी भी वक़्त घर से बाहर निकल जाते थे और ख़ुद को भी नहीं पहचान पाते थे। बुजुर्ग की पत्नी ने पुलिस वालों को शुक्रिया कहा और अपने पति को प्यार से संभालते हुए कमरे के भीतर ले गईं।

पत्नी उन्हें बार बार समझाती रहीं कि तुम्हें अपना ख़्याल रखना चाहिए। ऐसे बिना बताए बाहर नहीं निकल जाना चाहिए। तुम अब बुजुर्ग हो गए हो, साथ ही तुम्हें अपने गौरवशाली इतिहास को याद करने की भी कोशिश करनी चाहिए। तुम्हें ऐसी हरकत नहीं करनी चाहिए जिससे शर्मिंदगी महसूस हो । जिस बुजुर्ग को पुलिस बीच सड़क से पकड़ कर उन्हें उनके घर ले गई थी, वो किसी ज़माने में अमेरिका के जाने-माने फिल्मी हस्ती थे। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम ये था कि उसी के दम पर वो राजनीति में पहुंचे और दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनकर उभरे तथा एक दिन वो अमेरिका के राष्ट्रपति बने। नाम था रोनाल्ड रीगन। 1980 में रीगन अमेरिका के राष्ट्रपति बने और पूरे आठ साल दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति रहे। राष्ट्रपति रहते हुए उन पर गोली भी चली। कई दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद जब वो दोबारा व्हाइट हाऊस पहुंचे तो उनकी लोकप्रियता दुगुनी हो चुकी थी। रीगन अपने समय में अमेरिका के सबसे लोकप्रिय नामों में से एक थे।

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद जब वो अपनी निज़ी नागरिकता में लौटे तो कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। पर कुछ दिनों बाद उन्हें अल्जाइमर की शिकायत हुई और धीरे-धीरे वो अपनी याददाश्त खो बैठे। शरीर था। यादें नहीं थीं। वो भूल गए कि एक समय था जब लोग उनकी एक झलक को तरसते थे। वो भूल गए कि उनकी सुरक्षा दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। रिटायरमेंट के बाद वो सब भूल गए। पर अमेरिका की घटना थी तो बात सबके सामने आ गई कि कभी दुनिया पर राज करने वाला ये शख़्स जब यादों से निकल गया तो वो नहीं रहा, जो था। मतलब उसका जीवन होते हुए भी ख़त्म हो गया था। ताकतवर से ताकतवर चीज़ की भी एक एक्सपायरी डेट होती है। इसलिए जीवन में कभी किसी चीज़ का अहंकार हो जाए तो श्मशान का एक चक्कर जरुर लगा आना चाहिए, वहाँ एक से बढ़कर एक बेहतरीन शख़्सियत राख बने पड़े हैं।

अहंकार व्यर्थ है चाहे वो सत्ता का हो, धन का हो या फिर अपने बाहुबल का...

काव्य कोना

शिव स्तुति... (बिना मात्रा)

बम बम बम बम बम हर हर हर
चढ़त बरध पर भषत भंग हर, बन बन रमत गंग सर ऊपर
सरप लसत गर गरल कंठ धर, जपत रहत हरदम मतवर हर
बम बम बम बम बम हर हर हर
नवल कमल सम नयन हरत मन, लट लटकत लहरत फहरत कर
तन जस गगन मदन मद मरदन, जन मन रंजन फबत चंद सर
बम बम बम बम बम हर हर हर
अशरण - शरण जगत भय भंजन, तन मन वचन नमत चरनन पर
जल थल गगन पवन बन मंदर, कन कन महँ मंगलमय शंकर
बम बम बम बम बम हर हर हर...

स्व. रामदारोगा तिवारी
आरा, बिहार

बिन हिंदी संस्कार हमारे हो रहे बर्बाद

हिंदी हमारी मातृ भाषा
यह हमारा दिल है हमारा सूकून है
हमारे शरीर की नाड़ियों में
जो बह रहा यह वो खून है
हर वर्ष हम उसी तरह हिंदी दिवस मनाते हैं
जैसे दीवाली लोहड़ी के त्यौहार आते हैं
हिंदी हमारी है घर की लाडली
सोचो हम उसके लिए क्या कर पाते हैं
अंग्रेजी के चक्कर में हम
मातृ भाषा छोड़ रहे
अपनी भारतीय संस्कृति से
हम क्यों मुंह मोड़ रहे
ए बी सी का राग अलापते
अ आ इ ई अब नहीं हैं याद
वन टू थ्री हम बच्चों को सिखा रहे
बिन हिंदी संस्कार हमारे हो रहे बर्बाद
एक दो तीन तो अब चंद
सरकारी स्कूलों में रह गए
बच्चों को ले गए प्राइवेट स्कूलों में
मां बाप भी अंग्रेजी की बाढ़ में बह गए
उनहत्तर और उनसठ में तो
हम फर्क नहीं कर पाते हैं
राष्ट्रगान भी पूरा आता नहीं
हिंदी में सौ तक की गिनती भूल जाते हैं
भरी सभा में हिंदी का चीर हरण हो रहा
भीष्म के साथ बाकी सब भी हैं खड़े मौन
शकुनी की चालों से अंग्रेजी का हो रहा वरण
सभा में सब मूर्ख है समझायेगा इन्हें कौन
यदि हमें मातृ भाषा हिंदी को बचाना है
तो अर्जुन को गांडीव उठाना होगा
हिंदी में खाता पीता उठता बैठता सोचता है हिंदुस्तानी
बस यह उसको समझाना होगा

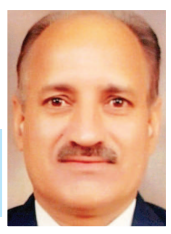

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि. प्र.

ग़ज़ल

क्या ग़ज़ब की हँसती हो तुम

कहकर वो मुस्काया था
सच कहती हूँ उस दिन मेरे
और क़रीब वो आया था
झुकी हुई नज़रों से जब तुम
कुछ ऐसे शर्माती हो
मेरे दिल की धड़कन की गति
और अधिक बढ़ाती हो
ऐसा कहकर उसने मेरे
गालों को सहलाया था
सच कहती हूँ उस दिन मेरे
और क़रीब वो आया था
इतने पर ही चुप न होता
मेरे ही गुण गाता था
मुझे देखता
मुझे ही सुनता
मुझमें ही खो जाता था
उसके इस दीवानेपन ने
मुझको भी कमज़ोर किया
पत्थर जैसे दिल को मेरे
प्रेम से साराबोर किया
अपनेपन से उसने जिस दिन
सीने से मुझे लगाया था
सच कहती हूँ उस दिन मेरे
और क़रीब वो आया था
दुखों का अम्बार था जीवन
विपदाओं ने घेरा था
मेरी चौखट पर आ - आ कर
ख़ुशियों ने मुख फेरा था
टूटी - बिखरी मरणासन मैं
मृत्यु - शैय्या पर लेटी थी
जाने को परलोक मैं यम की
बाट जोहने बैठी थी
ऐसे मुश्किल वक्त में आकर
उसने मुझको थाम लिया
मरणासन मेरे जीवन को
जीने का आधार दिया
अश्रु भरे मेरी आँखों को
खुशियों का उपहार दिया
मेरे आँसू पौंछ के उसने
हँसना जब सिखलाया था
सच कहती हूँ उस दिन मेरे
और क़रीब वो आया था।

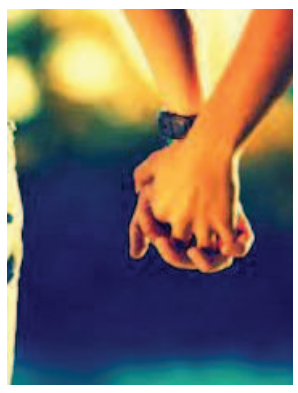

डॉ. मनोरमा गौतम
नई दिल्ली

अनमोल...

मनोहर अपनी साईकिल पर सवार रोज़ की तरह अपने दफ़्तर जा रहा था।

बेटा मनोहर!..ओ बेटा मनोहर!..,मेरी चिठ्ठी अब नहीं आती ..??

या तू अब लाकर नहीं देता ...बोल..तो।

गाँव की मुँहबोली रतना काकी के आवाज़ पर मनोहर ने अपनी साइकिल रोक दी..

काकी ने गुस्साए अंदाज में पूछा..अब चिठ्ठियाँ बाँटनी छोड़ दी क्या तुमने.?.

अपनी वर्दी से तो अभी भी डाक वाला ही लगते हो।

नहीं काकी हूँ तो वही डाक वाला...पर अब मैं चिठ्ठियाँ कहाँ से बाँटूंगा..जब लोग चिठ्ठियाँ लिखते ही नहीं।

अब ज़माना मोबाईल का है...नंबर दबाया और सामने बात हो जाती है।

इतने क़रीब तो हो गए पर दिल की दूरियाँ बढ़ गई.

अब कहाँ वो इंतज़ार की घड़ियाँ..और हालचाल पाने की बेक़रारी... सब सिमट गया।

पहले दूरियों का एहसास था तो अपना दिल निकालकर रख देते थे....शब्दों में।

अब महंगे से महंगे मोबाईल रखने लगे है..और चंद सैकेंड में आमने-सामने।

पहले मैं कितना अनमोल था...सबके रिश्तों को ढोता था तो सबका रिश्ता भी था मुझसे....चिठ्ठियाँ का दौर ख़त्म हुआ...और मैं पराया होता गया।

आँसू और मुस्कान साथ लिये फिरता था अपनी थैली में....हर घर के दरवाजे खुले रहते थे..अब सबके बंद रहते हैं।

सपना चन्द्रा
भागलपुर बिहार

10 जनवरी
हिंदी दिवस पर विशेष

अधूरी आज़ादी

देश की अखंडता के सवाल पर सर्व भाषा सम्मेलन हो रहा था। अध्यक्ष का चुनाव भी होना था। अपने- अपने भाषाई बैनर लेकर सभी भाषाएं पधारी हैं। आयोजक सह कार्यकारी अध्यक्ष सुश्री हिंदी हैं, लेकिन उन्हें सभी भाषाओं की ध्वनि और लिपि- ज्ञान नहीं था। इसलिए उसने अपने कार्यकर्ताओं से कहा - बैनर पर सभी की पहचान और बायोडाटा हिंदी में भी लिखें।

उनके आदेश का तुरंत पालन हुआ।

इसके बाद भाषाई जनसंख्या के आधार पर सभी को सीट आवंटित हुई।

अब सभी भाषाएं अपने अपने रंग, रूप और लिवास में अकड़ कर बैठ गईं।

कार्यकारी अध्यक्ष ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा-- राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने के लिए सबसे मज़बूत कड़ी होती है भाषा! यह देश को जोड़ भी सकती है और तोड़ भी सकती हैं। बांग्लादेश का दृष्टांत सामने है। भाषा के आधार पर पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए हैं।... जैसे किसी भी राष्ट्र का एक ही झंडा होता है उसी तरह हमारे राष्ट्र की अखंडता के लिए एक राष्ट्रीय भाषा भी ज़रूरी है। जनसंख्या के आधार पर हिंदी इसके लिए सर्वथा योग्य है। इसलिए...

गैर हिंदी भाषाएं शोर मचाने लगीं; क्योंकि अध्यक्ष की बोली सभी को समझ में नहीं आई। हिंदी भी समझ नहीं पा रही थी? कि कौन क्या बोल रहा है।

सुश्री हिंदी ने बहुभाषी को तलब किया ताकि वह उनकी स्पीच को सभी भाषाओं में अनुवाद कर सभी को संप्रेषित कर सके।

उसने हाथ खड़े कर दिए-

मैं भी सभी भाषाएं नहीं जानता।

शोर निरंतर बढ़ता जा रहा था। अध्यक्ष के कानों में टन...टन घंटा- सा बजने लगा जैसे! उनका सर फटने लगा।

तभी उनके पास सूटेड बूटेड गौरवर्ण विदेशी भाषा आकर बोली-क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूं?

सुश्री हिंदी ने कहा--हां।.. लेकिन मेरी बातें ही कहना सिर्फ़, इसमें फूट डालो और राज करो की तुम्हारी नीति का ज़हर मिश्रित नहीं होना चाहिए।

अंग्रेजी ने माइक थाम ली--माय डियर सिस्टर्स...

शोर थम गया।

अंग्रेजी ने अध्यक्ष की बातें सभासद के सामने रख दी थी। अब भाषाई शोर उग्र से उग्रत्तर हो गया। भाषा का सियासत उठ खड़ा हुआ।

सुश्री हिंदी ने द्रवित होकर कहा--देश आज़ाद हुआ, लेकिन 74 साल बाद भी भाषा की सियासत का हिंदी में ध्रुवीकरण नहीं हो सका। इसलिए हम आज भी गुलाम हैं। हमारी यही गुलामी देश की अखंडता को खंडित कर सकती है।

तभी भारत माता प्रकट हुई। उनके एक हाथ और एक पैर में बेड़ियां थीं। वे काफ़ी कमज़ोर लग रही थीं। चेहरा अश्रुयुक्त था। उन्होंने भीगे स्वर में कहा- मेरे बच्चों! अंग्रेज भाग गए, लेकिन उनकी भाषा इस देश में बड़ी तेजी से फल-फूल रही है। आख़िर कब तक भाषाई सियासत की बेड़ियों में जकड़ी रहूंगी मैं?

उमाकांत भारती,
भागलपुर, बिहार

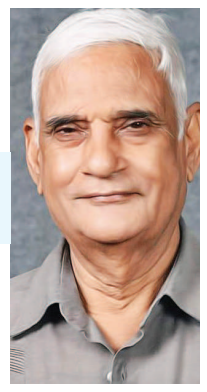

मोबाईल-प्रेम

निर्मला कर्ण, राँची झारखण्ड

संचिता नई बहू बनकर एक माह पूर्व मिश्रा परिवार में आई थी। बहुत धूमधाम से उसकी शादी हुई थी। शादी से पहले से ही पति ससुराल वालों से उसकी बातचीत होती थी। सभी बहुत अच्छे थे परिवार में सास-ससुर के साथ एक ननद और एक देवर थे। घर सम्पन्न था,परंतु संचिता आश्चर्यचकित थी यहां आकर। प्रातः उठते ही सभी के हाथ में मोबाइल आ जाता। मोबाइल देखते चाय पीते। नाश्ता भी मोबाइल के साथ ही होता और फिर सभी अपने अपने कार्य से निकल जाते। सबके बीच रहकर भी संचिता अकेली होती। चाय पीते नाश्ता करते ननद-देवर सेल्फी लेते, फेसबुक पर अपलोड कर देते। फिर लाइक कमेंट देखते, चैटिंग करते समय व्यतीत होता। उनका सोशल मीडिया पर अधिक रुझान था मगर घर में उपस्थित रहते हुए भी अनुपस्थित रहते वे सभी पास-पास बैठे रहते, परंतु सभी के हाथ में मोबाइल रहता, दोनों हाथों की उंगलियाँ मोबाइल से खेलती रहतीं और आँखें, मस्तिष्क सभी मोबाइल में ही डूबे रहते।

परंतु भरे-पूरे घर की संचिता इससे परेशान हो गई थी। उसकी तो आदत थी पूरा परिवार एक साथ बैठकर हंसते, बात करते, खाना खाते भाई-बहन आपस में लड़ते-झगड़ते और प्यार भी करते। एक दूसरे से उनके पूरे दिन का हाल जब तक खोद-खोद कर पूछ नहीं लेते और अपना बता नहीं देते किसी को चैन नहीं मिलता। कभी मां के काम में सहायता करते तो कभी मां का काम बिगाड़ भी देते,और मां से दो बातें सुनकर खिलखिला उठते। कभी माँ की झल्लाहट का आनन्द लेते, कभी रोनी सूरत बना कर मां की सहानुभूति बटोर लेते, और फिर वही हंगामा शुरू हो जाता है भाई बहनों के बीच।

यहाँ आने के बाद एक सप्ताह तक तो घर में मेहमान की भीड़ रही। मेहमानों के जाने के बाद घर सूना हो गया। घर में रह गया सिर्फ संचिता समेत कुल पाँच जन।

बाई सुबह शाम आकर ऊपर के काम कर जाती। शेष काम संचिता ने संभाल लिया था। वैसे सासू माँ और ननद सीमा भी काम में हाथ बँटा देतीं। काम की उसे कोई परेशानी नहीं थी। परन्तु सुख के सारे साधन रहने पर भी इन एक महीनों में संचिता इतनी परेशान हुई कि उसे लग रहा था वह यह घर छोड़कर चली जाए। उसका इस परिवार से मोहभंग होने लगा था। किसी के पास

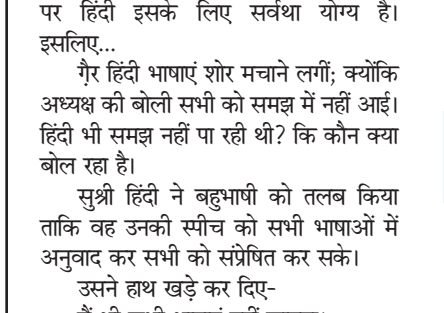

एक-दूसरे के लिए समय नहीं था। हाँ मगर सोशल मीडिया पर सभी एक दूसरे से जुड़े थे ।

आज प्रातः उठते ही संचिता ने एक कप चाय बनाई, कप को ट्रे में रखा और फोटो खींच लिया। कप उठाकर बालकनी में आ गई चाय पीने के लिए। उसने सुबह की चाय की तस्वीर कप के साथ पूरे परिवार को व्हाट्सएप पर भेज दी। थोड़ी देर बाद सबको चाय की तलब होने लगी, ससुर ने आवाज लगाई - संचिता बेटे आज चाय नहीं बनी अभी तक -

तो संचिता ने मैसेज कर दिया तक -

मैंने चाय तो सुबह-सुबह ही आप लोगों को भेज दी, उसे पी लीजिए सब लोग।

सभी आश्चर्यचकित एक दूसरे का चेहरा देखने लगे। वह सभी एक साथ बैठे थे, सबके हाथों में मोबाइल था सब के मोबाइल में गर्म-गर्म भाप निकलती चाय की तस्वीर थी, परंतु चाय कहां थी, पियें क्या?

यही हाल नाश्ता के साथ हुआ। वाह मालपुआ, गाजर का हलवा, आलू के प परांठे और छोले इन शानदार मनभावन स्वादिष्ट व्यंजन की तस्वीर संचिता ने सबके मोबाइल में भेज दी। पति अखिल ने आकर कहा - संचिता यह क्या मजाक है, क्या तस्वीर से पेट भरती है, जो तुम तस्वीर भेज रही हो। सुबह चाय की तस्वीर भेज दी, और अब नाश्ते की। दोपहर में खाने की भी तस्वीर भेज देना। या तस्वीर भूख मिटाती है?

संचिता - क्यों फेसबुक-व्हाट्सअप पर तो बहुत स्वादिष्ट लगता है पेट भी भरता है, फिर अभी क्यों नहीं भरेगा ? जब तस्वीर पर लाइक और कमेंट से दोस्ती दृढ़ होती है तो तस्वीर देखकर पेट क्यों नहीं भरेगा ? सोशल मीडिया पर आप कमेंट देते हैं बहुत स्वादिष्ट नाश्ता था,वाह क्या चाय है गरमा-गरम। तो जब वहाँ गर्म चाय दिख जाता है पी भी लेते हैं। मैंने भी तो गरमा-गरम ही भेजा था, भाप निकलती हुई, इसे क्यों नहीं खा सकते।

सासू माँ की समझ में बातें कुछ-कुछ आ रही थीं। उन्होंने सबको इकट्ठा किया और कहा - आज से नाश्ता के समय, खाना के समय, चाय के समय या जब भी हम पूरा परिवार एक साथ बैठेंगे तब किसी के हाथ में मोबाइल नहीं होना चाहिए। जरूरी कॉल के अलावा मोबाईल से कोई काम नहीं करना है। और हाँ अखिल तू संचिता को पूरा समय देगा। शाम को उसे घुमाने ले जाएगा, वरना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा।

फिर उन्होंने संचिता से कहा - बेटे हम तुम्हारी बात समझ गये हमें माफ कर दो। हम सब की आदत बहुत बिगड़ी हुई थी, मोबाइल में ही डूबे रहते थे। अब ऐसा नहीं होगा । तुम्हारी दी हुई सीख हम सदा याद रखेंगे। सीमा चल रसोई में चलकर जल्दी-जल्दी हम तीनों मिलकर आज नाश्ता बना लेते हैं, और दोपहर का खाना बहु मैं बनाऊंगी,तू मेरी मदद कर देना, सीमा तो कॉलेज चली जाएगी। करते उन्होंने संचिता का मष्तक प्यार से चूम लिया। संगीता को पूरी दुनिया की खुशियां मिल गई थीं। उसकी में उसे फिर से अपना मायका वापस मिल गया था।

ख़्वाबों की पतंगें...

ख़्वाबों की पतंग
मन के गगन में, रिश्तों की डोर
कभी सुलझी, कभी उलझी
ख़्वाबों की पतंग, दिलकश सतरंग
डोर के संग, फ़िर भी तंग
पतंग की पतंग से, छिड़ी मीठी ज़ंग
कभी चहकी, कभी बहकी
रंगी चाहत के रंग, ख़्वाबों की पतंग
कभी कटी, कभी फटी, कभी क्षितिज के पार
कभी हवा की दरकार, ख़्वाबों की पतंग
कभी अपनों ने काटी, कभी अपनों ने लूटी
सुनकर हुड़दंग, रह गया दंग
ख़्वाबों की पतंग, आसमान से सटी
कटी ना फटी, पेंच ना खेंच
ऊँची मुंडेर के झाड़धारी ....
ख़ैरख्वाह ख़ारों के बीच...
बेबस पतंग, ज़माना बेढ़ंग
सारे ज़माने के संग

ज्ञानवती सक्सैना 'ज्ञान', जयपुर

लिहाफ़ रिश्तों के...

ज़िंदगी उलझे ऊन की तरह ही रही,
और फ़िर भी हम,
बुनते रहे लिहाफ़,
रिश्तों के।
कभी गर्माहट,
तो कभी अपनेपन की चाह में,
लपेटे ही रहे
उंगलियों में धागे ज़ज्बातों के ।
उनींदी रातें, उचटे दिन,
बोझिल कदम,
और थकान ओढ़े,
चलता रहा वजूद,
हर मौसम में,
ज़िंदगी के इस सच से अनजान,
कि, किराए पर सब कुछ मिलता है ,
बस, क़िस्मत नहीं मिलती .... !

डॉक्टर कल्याणी कबीर
जमशेदपुर,
झारखंड

अहंकार

अहंकार का दीमक जब जकड़ लेता है मानव को ख़ास।
घुन लगता है सुविचार पर पर्दा चढ़ता आँखों पर खास।।
अहंकार वो ऐसा ख़ंजर जो घायल करता अपने को आप।
नुकसान पता तब चलता है जब स्वाहा हो जाते हैं आप।।
अहंकार मद जब छाता है जग स्वामी लेते बावन अवतार।
अन्तिम पग छाती नपता है चाहे राजा बलि हो आप।।
अहंकार मद उस बाली का जिसके न बल की थी थाह।
अपने सगे समन्धि को प्रताड़ित करना ही समझा अधिकार।।
बाण खाये जब अपने तन पर तब जाकर हुआ एहसास।
प्रायश्चित कर अपने पापों का प्रभु शरण को माना आधार।।
अहंकार मद में डूबकर जब रावण हर ले जाता जानकी को साथ।
अजानबहु के धनुष टंकार में भस्म कर लेता अपना साम्राज्य।।
कितने दंभी का नाम कहूँ जिसने पाले थे अहंकार।
अहंकार की बलि वेदी पर मर मिटने को थे तैयार।।
एक अहंकारी था दुर्योधन जिसके अंदर था अहंकार।
लीला धर को भी उसने बाँधने का कर लिया दुःसाहस मात्र।।
सुई नोक पर बात टिकाकर आमंत्रित किया काल को आप।
अपने सहित कुल परिवार को भेज दिया फिर काल ग्रास।।
इतिहास के एस पुरुषों से अहंकार पर लेना सीख।
जब अहंकार इसका सगा नहीं तो आपको क्या देगा भीख।।
यह तो बस एक मकड़जाल है जिसमे फँस जाते हैं आप।
फिर इसमें उलझ उलझ कर प्राण त्यागने को विवश हो जाते आप।।

श्री कमलेश झा
भागलपुर बिहार

ऐलान

पाँच राज्यों में चुनाव तारीखों का ऐलान हुआ
हित धारकों का इंतज़ार ख़त्म हुआ
पाँच राज्यों में चुनाव तारीखों का ऐलान हुआ
7 चरणों में वोटिंग का ऐलान हुआ
शुरुआत 10फरवरी परिणाम 10मार्च का ऐलान हुआ
रोड शो रैली पदयात्रा साइकिल और स्कूटर
रैली की इजाज़त नहीं होगी ऐसा ऐलान हुआ
जीत के बाद किसी तरह का जुलूस नहीं
रैलियां वर्चुअल होगी ऐसा भी ऐलान हुआ
नए प्रोटोकॉल का पालन सख्ती से होगा
सभी चुनाव कर्मियों को दोनों डोज़ लगी होगी
ज़रूरत पर प्रिकॉशन डोज़ लगेगी ऐलान हुआ
कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन सबको
मुस्तैदी व गंभीरता से करना होगा
जो उम्मीदवार कोरोना काल में नियमों का
पालन करेगा उस पर विचार करना होगा

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया, महाराष्ट्र

BOL अनमोल

विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की परीक्षा उनके ज्ञान से नहीं, वरन उनके धर्माचरण द्वारा ही होगी.

- महात्मा गांधी

SAPNE अपने

त्रिशूल देखना - शत्रुओं से मुक्ति
तपस्वी दिखाई देना - दान करना
पगडंडी देखना - समस्याओं का निवारण
शव यात्रा - विरासत में धन प्राप्ति
मृत्यदंड मिलना - आदर-सम्मान मिलना
तारामंडल देखना - सौभाग्य की वृद्धि

MOOD मैजिक

बच्चों के साथ समय बिताएंगे तो फ्रेश हो जाएगा मूड

जिंदगी में कई बार ऐसा कुछ हो जाता है कि व्यक्ति का मूड खराब हो जाता है. ऐसे समय में उसका रोना रोते न बैठें, बल्कि मूड को ठीक करने का प्रयास करें. ऐसे समय में परिवार और खास कर बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं. फैमिली के साथ किसी गार्डन या चिड़ियाघर की सैर करने जाएं. बच्चों के साथ चैट करें, कुछ भी बात करें, उनके साथ जोर से पढ़ें, उनके साथ खेलें. बच्चों में सरल चीजों का आनंद लेने की अद्भुत क्षमता होती है, जो अपनी मुस्कान से दुनिया भर को रोशन करते हैं. यदि आपके पास अपना नहीं है तो आपको उन दोस्तों के घर का दौरा करना चाहिए जिनके बच्चे हैं. यह भी ऑप्शन न हो तो पति-पत्नी एकदूसरे के साथ घूमने जाएं या कोई अच्छी सी फिल्म देखें. आपका रोमांटिक रवैया मूड फ्रेश करने का अच्छा तरीका साबित हो सकता है.

गठबंधन या 'ठगबंधन'

राजनीतिक गठबंधन में कमजोर और ताकतवर का प्रश्न नहीं रहता, इसमें तो चूहा भी हाथी की दुम दबा सकता है. शेर और बकरी एक दूसरे गले में हाथ डालकर घूम-घूम कर गठबंधन-गठबंधन खेल सकते हैं. और तो और, चीते को जंगल में प्रवेश से वंचित कर सकते हैं. बकरी, शेर की भूमिका निभा सकती. बस देखना है कि बकरी के पास भेड़-बकरियों के कितने वोट हैं. राजनीतिक गठबंधन एक ऐसा खेल है जिसका एक ही नियम है कि कोई नियम नहीं!

यहां कोई दोस्त नहीं, कोई दुश्मन नहीं, बस मौकापरस्ती चाहिए. किसी भी पार्टी के साथ अस्थाई गठबंधन करो, खेल में मजा नहीं आया तो दूसरे के साथ गठबंधन कर लो. इसे ठगबंधन भी कहा जा सकता है. हमारे परिचित हैं भीरूलाल, उनका कहना है कि

उनकी घर वापसी हो गई है. सुबह का भूला शाम को घर आ जाए तो इसे घर वापसी कहते हैं. पर चुनाव का मौसम देखकर और सभी पार्टियों के चक्कर लगाकर घर वापस आए तो सब पार्टी वापसी कहते हैं, घर तो उन्हें खुद नहीं मालूम कहां है! उन्होंने आलाकमान को चिट्ठी लिखी, 'मैडम जी, सभी पार्टियों का निष्ठावान रहा हूं और आपकी पार्टी के प्रति अतिरिक्त निष्ठावान हूं. आपने टिकट नहीं दिया तो मैं रामशरण हो गया. झाड़ू वाली पार्टी ने मेरे अरमानों पर झाड़ू फेर दी, मेरी दाल नहीं गलने दी. फिर मैंने खुद की छोटी-मोटी पार्टी बना ली. मैं चाहता हूं आपकी पार्टी के साथ गठबंधन करूं. मेरी जेब में 2 विधायक हैं. सौ-पचास कार्यकर्ता भी हैं. बस मेरा घर वापसी का मूड है, इसके बाद मैं किस घर में वापसी करूंगा, मुझे पता नहीं. मैं जहां भी जाता हूं, उसे अपना घर मानता हूं. यह मेरी समाजवादी विचारधारा है. अगर आपकी पार्टी इस चुनाव में टिकट नहीं देती तो मैं किसी दूसरे घर में घरवापसी कर लूंगा क्योंकि मैं आपकी पार्टी के प्रति प्रारंभिक अवस्था से निष्ठावान रहा हूं. आप मुझे टिकट दें, मैं विधायक दूंगा. इस चुनाव में विधानसभा के गठबंधन होंगे. पार्टी आओ, हमारे गले लग जाओ, घबराओ. यह मत सोचो कि हम कांग्रेसी हैं, बसपाई हैं, समाजवादी हैं, बस आ जाओ. जिसका कोई नहीं है, वह भी हमारी पार्टी में आओ, इस खेल में सब पार्टियां साथ होंगी. हम सब मौसेरे भाई हैं. समय पर भाई ही भाई की मदद करता है. आओ चुनाव के मैदान में चलें, गठबंधन-गठबंधन खेलें. अभी तुम घर वापसी करो, बाद में हम घर वापसी करेंगे. समझ में नहीं आ रहा यह गठबंधन हो रहा है या ठगबंधन हो रहा है! पर जनता ठगी जा रही है, इतना पक्का है. फर्क सिर्फ इतना है कि वादों की पोटली खोली है. एक पार्टी बोलती है महिलाओं को हर महीने एक हजार दिए जाएंगे, दूसरी लैपटॉप दे रही है. एक नयी पार्टी स्कूटी देगी. वादे हैं वादों का क्या! किसी शायर का एक शेर याद आ रहा है- 'सब कुछ है मेरे देश में, रोटी नहीं तो क्या! वादे ही लपेट लो, लंगोटी नहीं तो क्या!'

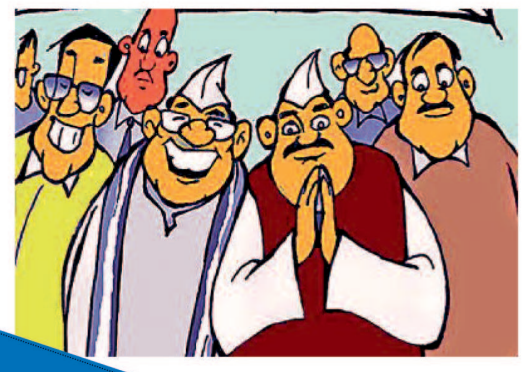

नीरज व्यास
9960587498

TEESRI आँख

ईश्वर की इच्छा

एक गुरु-शिष्य अपने घोड़े के साथ जंगल से गुजर रहे थे, सारे रास्ते गुरु-शिष्य को बार-बार यही उपदेश दे रहे थे कि हमें अपने समस्त कर्मों को ईश्वर को अर्पित कर देना चाहिए. रात में उन्होंने एक स्थान पर अपना डेरा जमाया. गुरु ने शिष्य से कहा कि वह घोड़े को निकट ही किसी पेड़ से बांध दे. शिष्य घोड़े को लेकर पेड़ के पास तक गया कि तभी उसे दिन में गुरु द्वारा दिया गया ज्ञान याद आ गया. उसने सोचा कि गुरु संभवतः उसकी परीक्षा ले रहे हैं. जबकि आस्था तो यही कहती है कि भगवान स्वयं इस घोड़े का ध्यान रखेंगे और यह सोचकर उसने घोड़े को पेड़ से नहीं बांधा. सुबह उठकर उसने देखा कि घोड़ा दूर-दूर तक कहीं नजर नहीं आ रहा था. उसने गुरु से जाकर कहा कि कल आपने बताया था कि हमें सब कुछ ईश्वर के हाथों सौंप देना चाहिए, इसलिए मैंने घोड़े की रक्षा का जिम्मा भगवान के सुपुर्द कर दिया, लेकिन घोड़ा भाग गया. इस पर गुरु ने समझाया कि भगवान तो वाकई यही चाहते थे कि घोड़ा तुम्हारे पास सुरक्षित रहे. लेकिन जिस समय उन्होंने तुम्हारे हाथों घोड़े को बांधना चाहा, तब तुमने अपने हाथों को ईश्वर को नहीं सौंपा और घोड़े को खुला छोड़ दिया.

सार- ईश्वर भी उसी की सहायता करता है, जो स्वयं अपनी सहायता करते हैं.

क्या आप जानते हैं

ट्यूबलाइट का बटन दबाते ही क्यों उत्पन्न होता है तेज प्रकाश

ट्यूबलाइट में कांच की नली के दोनों सिरों पर टंगस्टन धातु के तंतु होते हैं तथा इसमें अल्प दाब पर पारे की वाष्प भरी रहती है. जैसे ही बटन दबाया जाता है, टंगस्टन तंतु से इलेक्ट्रोन उत्सर्जित होते हैं तथा पारे की वाष्प के अणुओं को आयनित कर देते हैं जिससे दीप्त विसर्जन होता है. इनमें से कुछ प्रकाश तरंगों की तरंग दैर्ध्य अल्प होती है, जिन्हें हम देख नहीं पाते हैं. अतः इन अदृश्य प्रकाश तरंगों को दृश्य प्रकाश तरंगों में परिवर्तित करने के लिए नली के भीतर की सतह पर प्रतिदीप्त पदार्थ पोत दिया जाता है जो अदृश्य प्रकाश को दृश्य प्रकाश में परिवर्तित करता है. इससे ट्यूब लाइट से अधिक प्रकाश प्राप्त होता है.

धुंधली होती है कुत्तों की नजर

कुत्तों की नजर धुंधली होती है, वह बहुत थोड़ी दूर तक ही चीजों को देख पाते हैं. देखने में भी उन्हें सिर्फ भूरे रंग के ही शेड्स दिखाई देते हैं. लेकिन कुत्तों में सूंघने की अद्भुत क्षमता होती है, मनुष्य से 1000 गुना ज्यादा. कुत्ता जिस रास्ते से एक बार गुजर जाता है, उसे सूंघकर पहचान लेता है.

SUNDAY सैंडविच

जैसे आप चला रहे हैं!

नेताजी एक दिन सरकारी अस्पताल के दौरे पर गए, परिसर में मरीज शोर मचा रहे थे. डॉक्टर साहब गायब थे.

नेताजी (स्टाफ से) : तुम्हारे डॉक्टर साहब कहां हैं?

स्टाफ : वो तो पिछले वर्ष से हमेशा बाहर ही रहते हैं. पहले मीटिंगों में (ब्लाक, आशा, डीएचएस, सतर्कता आदि.), फिर कैम्पों में (नसबंदी, नेत्र, ब्लड डोनेशन आदि.), फिर कार्यक्रमों में (इंद्रधनुष, सुरक्षित मातृत्व, प्रसव नियोजन, सड़क सुरक्षा, जनसंख्या, एसीएचएन दिवस आदि.) और फिर टारगेट (नसबंदी, डिलीवरी, टीकाकरण आदि) के लिए के लिए बाहर हैं. कभी-कभी अस्पताल भी आ जाते हैं!

नेताजी : फिर ये अस्पताल कैसे चलता है?

स्टाफ : जैसे आप देश चला रहे हैं!!!

PRIDE जोन

वास्तुकला की अनूठी मिसाल

विरुपाक्ष मंदिर

विरुपाक्ष मंदिर कर्नाटक राज्य के हम्पी में तुंगभद्रा नदी के किनारे पर स्थित एक पवित्र स्थान और ऐतिहासिक स्थल है. इस मंदिर के इतिहास और सुन्दर वास्तुकला के कारण इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया.

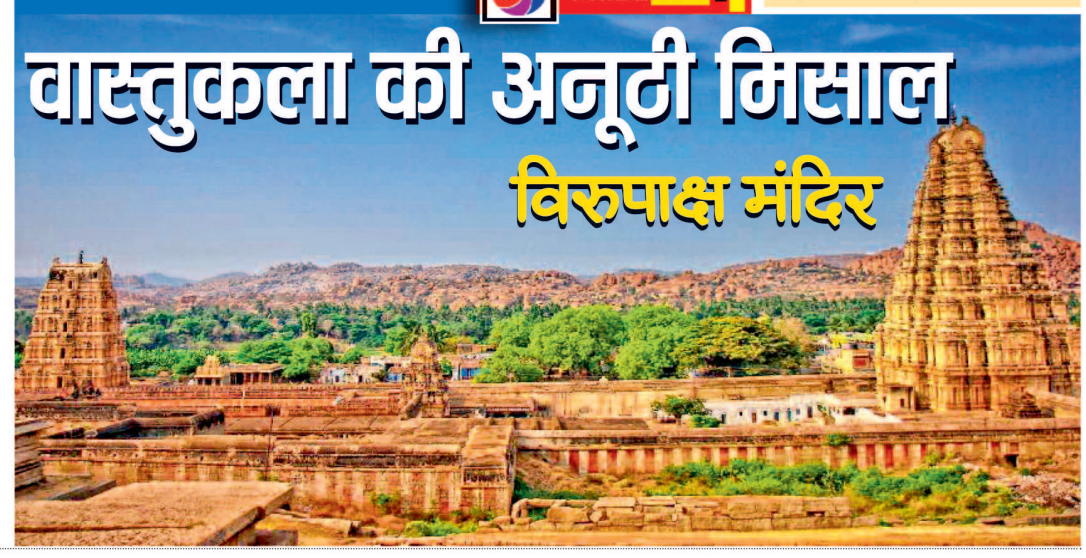

मंदिर की दीवारों पर 7वीं शताब्दी के शिलालेख भी मौजूद हैं जो इसकी समृद्ध विरासत का प्रमाण हैं. यह प्राचीन मंदिर भगवान शिव के रूपों में से एक 'विरुपाक्ष' (= विरूप + अक्ष = कुरूप आंखों वाले) को समर्पित है जिसे "प्रसन्न विरुपाक्ष मंदिर" के नाम से भी जाना जाता है. मंदिर में मुख्य देवता के साथ-साथ कई देवी-देवताओं की सुंदर मूर्तियां भी हैं, जो कलाकृतियों के माध्यम से कई देवी-देवताओं की पौराणिक कहानियों को दर्शाती हैं. इस मंदिर का इतिहास प्रसिद्ध विजयनगर साम्राज्य से जुड़ा है. तुंगभद्रा नदी के दक्षिणी किनारे पर हेमकूट पहाड़ी की तलहटी पर बने इस मंदिर का गोपुरम 50 मीटर ऊंचा है. विरुपाक्ष मंदिर विक्रमादित्य द्वितीय की रानी लोकमाह देवी द्वारा बनवाया गया था. माना जाता है हम्पी ही रामायण काल का किष्किन्धा है. यहां भगवान शिव के विरुपाक्ष रूप की पूजा की जाती है. इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग की कहानी रावण और भगवान शिव से जुड़ी हुई है. इस मंदिर की मुख्य विशेषता यहां का शिवलिंग है जो दक्षिण की ओर झुका हुआ है. पौराणिक कथाओं के अनुसार रावण जब शिवजी के दिए हुए शिवलिंग को लेकर लंका जा रहा था तो यहां पर रुका था. उसने इस जगह एक बूढ़े आदमी को शिवलिंग पकड़ने के लिए दिया था. उस बूढ़े आदमी ने शिवलिंग को जमीन पर रख दिया, तब से वह शिवलिंग यहीं जम गया. मंदिर की दीवारों पर उस प्रसंग के चित्र बने हुए हैं जिसमें रावण शिव से पुनः शिवलिंग को उठाने की प्रार्थना कर रहे हैं और भगवान शिव इंकार कर देते हैं. यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नृसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है.

BRAIN जिम

1) भोगली बिहू कहां का फसल आधारित त्योहार है?
- असम का

2) वेदत्रयी किसे कहा जाता है?
- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद को

3) सेवण घास राजस्थान में कहां मिलती है?
- जोधपुर में

4) पावर पैक परियोजना क्या है?
- दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में सौर ऊर्जा विद्युतीकरण

5) सूचना का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य है?
- सार्वजनिक अधिकारियों से सूचना प्राप्त करना

6) सुपर कंप्यूटर के लिए शब्द लंबाई का परास कितना होता है?
- 64 बिट

7) पराध्वनि के लिए न्यूनतम दूरी कितनी जरूरी है?
- 17 मीटर

8) राजस्थान की कूबड़ पट्टी कहां है?
- नागौर-अजमेर में

9) वह चीनी यात्री जिसने राजस्थान में भीनमाल की यात्रा की थी?
- फाह्यान

10) वर्धा में राजस्थान सेवा संघ की स्थापना कब हुई थी?
- 1919 में

प्रमेयों के पितामह पाइथागोरस

VISHVA विभूति

'किसी समकोण त्रिभुज की दो भुजाओं के वर्गों का योग उसकी तीसरी भुजा अर्थात कर्ण के योग के बराबर होता है'. इस विश्वप्रसिद्ध तथा इसी तरह के तमाम और प्रमेयों की खोज करने वाले यूनान के महान गणितज्ञ व दार्शनिक पाइथागोरस थे. पाइथागोरस का जन्म यूनान के व्यापारिक केंद्र सामोस द्वीप में ईसा से 582 वर्ष पूर्व हुआ था. वह बचपन से नैतिकतावादी थे. विज्ञान, ज्यामिति, खगोलशास्त्र व ज्योतिष में पाइथागोरस को महारत हासिल थी.

यह पाइथागोरस ही थे, जिन्होंने सबसे पहले अनुमान लगाया था कि विभिन्न ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं. इसीलिए कोपरनिक्स ने पाइथागोरस को अपने सिद्धांत का अग्रदूत माना है. मेधावी पाइथागोरस की प्रतिभा 16 वर्ष की उम्र में इतनी विकसित हो गई थी कि अध्यापक चमत्कृत थे. पाइथागोरस ने विश्वविद्यालय प्रमेय का सूत्रपात व प्रदर्शन किया. यद्यपि मिस्र में गणितीय सिद्धांत सदियों से अमल में लाए जा रहे थे, लेकिन पाइथागोरस ने पहले पहल उन्हें प्रमाणित कर दिखाया. माना जाता है कि पाइथागोरस ने ज्ञान की तलाश में सुदूर भारत तक की यात्रा की थी. मिस्र प्रवास में उन्होंने संगीत और ज्यामिति के मध्य संबंध स्थापित करने का सफल प्रयत्न किया और स्वर-ग्रामों पर काम किया. इस क्रम में उन्होंने शुद्ध पंचम को खोजा निकाला. 532 ईसापूर्व में उन्हें अत्याचारी सम्राट पालीक्रेटीज ने देश निकाला दे दिया, जिससे वह इटली चले गए. वहां पर उन्होंने कारटन (अब क्रोटोना) में एक एकेडमी की स्थापना की. जहां पर वह गणित, विज्ञान, नैतिकता और राजनीति की शिक्षा देने लगे. उनके मुताबिक 2 का अंक रेखा, 3 का सतह, 4 का घनत्व, 6 का आत्मा, 7 स्वास्थ्य और प्रकाश तथा 8 का अंक प्रेम का द्योतक है. पाइथागोरस ने यह भी साबित किया कि धातु के तारों को खींचने से ध्वनि उत्पन्न होती है. यूक्लिड सिद्धांतों को गढ़ने में भी उनका योगदान है. वह परमाणु सिद्धांत को स्वीकारते थे. पाइथागोरस का कहना था कि सूर्य ब्रह्मांड का केंद्र है और परिक्रमा का सर्वश्रेष्ठ पथ, वृत्त के सिवाय दूसरा नहीं हो सकता, क्योंकि पृथ्वी, तारे, नक्षत्र, ब्रम्हांड सब वृत्ताकार हैं और स्थूल वस्तुओं में वृत्त ही सर्वाधिक परिपक्व ठोस आकार है.

FEELINGS जोन

छोड़ो कल की बातें...!

जो छोड़ गया उसे पलटकर क्या देखना

हर किसी ने खाई है चोट

हममें से शायद ही ऐसा कोई हो जिसने जीवन में कभी भी चोट न खाई हो. हम सबके पास कोई न कोई घाव है, जिसकी वजह अलग-अलग हो सकती है. एक खराब घटना, एक खराब संबंध या एक खराब याद हमारे जीवन की धारा बदल सकती है और हमें वह हासिल करने से रोक सकती है जिसकी हममें क्षमता या प्रतिभा है. इसके विपरीत यह भी हो सकता है कि हम माफ करें, भूल जाएं ताकि जीवन का आनंद ले सकें, प्यार कर सकें, सपने देख सकें, उम्मीद कर सकें, विश्वास कर सकें और सफल हो सकें, यह ध्यान रखते हुए कि कल एक नया दिन होगा, नये अवसरों व नई संभावनाओं के साथ. बर्टेंड रसल ने हमेशा से ही मुझे प्रेरित किया है. वह कहते हैं कि कोई व्यक्ति या कोई विचार इतना महत्वपूर्ण नहीं होता है कि उसके लिए जान दी जाए. फिर फिल्म 'हम हिन्दुस्तानी' का यह गीत मुझे बहुत पसंद है- "छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, नये दौर में लिखेंगे, मिलकर नई कहानी."

मैंने 'जो छोड़ गया उसे पलटकर क्या देखना' की नीति अपनाई, खासकर इसलिए कि जब आप बदला लेने की सोचते हैं तो आप हर समय उसके बारे में ही सोचते रहते हैं, जिसने आपको चोट पहुंचाई है. इस कारण आपका ध्यान सकारात्मक बातों की तरफ जाता ही नहीं है और आखिरकार आप अपना ही नुकसान करके बैठ जाते हैं. वैसे भी मुझे यह तो मालूम ही नहीं कि जो व्यक्ति मेरा सामान लेकर मुझे छोड़कर चला गया था, उसने वह हरकत क्यों की या उसके हालात व मजबूरियां क्या रही होंगी? बकौल बशीर बद्र- "कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता." बहरहाल, जहां दो व्यक्ति, दो भावनाएं, दो दिमाग, दो प्रतिक्रियाएं और सच के दो रुख शामिल हों, वहां सभ्य होने का तकाजा यह है कि अपनी ही व्याख्या को एकमात्र सत्य न समझा जाए. अगर मुझे अपने जीवन में दूसरा, तीसरा, चौथा... अवसर चाहिए तो मुझे भी दूसरों को मौका देना चाहिए. मैं जानती हूं कि उसने मेरे साथ गलत किया, लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि मेरे गलती करने पर लोगों ने मुझे माफ किया है, इसलिए मैं भी उसे माफ करना चाहती हूं. हर यात्रा की तरह जीवन में भी उतराव-चढ़ाव, नई खोज, नये सबक, खुशी व गम, चुनौतियां, हार व जीत होती है. जीवन की सुंदरता जीने में, खुली आंखें रखकर आगे बढ़ने में और दिल जो महसूस करने वाला हो व दिमाग जो सोचने वाला हो, रखने में है. जीवन अनंत संभावनाओं से भरा हुआ है, इसलिए कल की बातें छोड़ो और आने वाले कल की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करो. मैंने ऐसा ही किया, इसलिए अपने जीवन में खुश हूं.

▼ अंतरा पटेल

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

06

जयपुर >> शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022

स्वामी विवेकानन्द जयंती की हार्दिक शुभकामनाएंः 12 जनवरी 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर विशेष

हर युवा के लिए आदर्श प्रतिनिधि हैं स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद आधुनिक मानव के रूप में युवाओं के आदर्श प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा था कि आज हमारे देश को जिस चीज की आवश्यक्ता है, वह है - दृढ़ इच्छा शक्ति, इस्पात जैसी मांस-पेशियाँ और मजबूत स्नायु, जिन्हें कोई भी ताकत रोक या झुका न सके। जो यदि ज़रूरी हो सागर की अतल गहराइयों में भी मौत का मुकाबला करने को हमेशा तैयार रहे। वे पूरी दृढ़ता और आत्म-निष्ठा के साथ यह मानते थे कि संपूर्ण विश्व मानवता का कल्याण केवल युवा शक्ति द्वारा संभव हैं। युवा का संबंध उनकी दृष्टी में जिसमें अपार उर्जा हैं, शक्ति का अखण्ड भंडार हैं, कठोर से कठोर चुनौतियों से जो हमेशा जूझने को तैयार रहता है, जो मौत से कभी डरता नहीं और जीवन से जिसका प्रेम कभी कम नहीं होता, जो पुरातन से - रूढ़ियों से कभी चिपका नहीं रहता, उनके पैरों तले रौंदते हुए समय के नये सत्य का वरण करने के लिए हमेशा आतुर और उत्सुक बना रहता है, वह युवा है, उसी में यौवन अपना मूर्त रूप धारण कर क्रीड़ा करता है, उम्र उसकी कुछ भी क्यों न हो।

स्वामीजी को भारत के नवनिर्माण के लिये नवयुवकों से बड़ी आपेक्षाएँ थी। उन्होंने कहा था मेरी आशा, मेरा विश्वास, नवीन पीढ़ी के नवयुवकों पर है। उन्हीं में से मैं अपने कार्यकलापों का संग्रह करूँगा। वे सिंह विक्रम से देश की यथार्थ उन्नति संबंधी सारी समस्या का समाधान करेंगे। युवाओं के लिए उनका कहना था कि पहले अपने शरीर को हृष्ट-पुष्ट बनाओ, मैदान में जाकर खेलो, कसरत करो ताकि स्वस्थ-पुष्ट शरीर से धर्म-अध्यात्म ग्रंथों में बताए आदर्शों में आचरण कर सको, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है।

स्वामीजी का मूल संदेश क्या हैं ? उन्होंने इसे एक छोटे से सूत्र में ग्रंथित कर दिया है - आत्मनो मोक्षार्थं जगद्धिताय च - अपनी मुक्ति तथा जगत के हितार्थ।

स्वामीजी को भी केवल अपना मोक्ष काम्य नहीं था। वे कहा करते थे - केवल अपना मोक्ष चाहोगे तो नर्क में गिरोंगे। दूसरों का मोक्ष चाहो। पर सेवा के लिये नरक भी भोगना पड़े तो वह अपनी मुक्ति द्वारा अर्जित स्वर्ग से भी उत्तम हैं।

उन्होंने युवाओं में देश प्रेम का भाव जाग्रत करते हुए अव्हान किया था - 'यह अपनी जन्मभूमि भारत माता ही हमारी आराध्य देवी है। हमारा ध्यान इसी एक ईश्वर पर लगाना चाहिए। हमारा देश ही हमारा जाग्रत देवता है।'

वे पौरूष और शक्ति के उपासक थे और कर्म ही संसार को उनका संदेश था। वे कहा करते थे कोई भी चीज जो आपको कमजोर बनाती है उसे विष समझकर अस्वीकार कर दीजिए। दुर्बलता पाप है, दुर्बलता मौत है। युवाओं में व्याप्त दुर्बलता के बारे में उन्होंने कहा था कि दुर्बलता का उपचार सदैव उसका चिन्तन करते रहना नहीं है, वरन् बल का चिन्तन करना है। वेदान्त कोई पाप नहीं जानता, वो केवल त्रुटी जानता हैं। और वेदान्त कहता है कि सबसे बड़ी त्रुटी यह कहना है कि तुम कमजोर हो, तुम पापी हो, एक तुच्छ प्राणी हो, और तुम्हारे पास कोई शक्ति नहीं है और तुम ये - वो नहीं कर सकते।

स्वामीजी ने हमें सिखाया है कि भारत का नवनिर्माण हम भारत के प्रति अगाध प्रेम रखकर ही कर सकते हैं। जिस किसी ने स्वामी जी के अग्नि वचनों को छुआ उसी में राष्ट्रीयता की लहर आई हैं। इसी से महात्मा गांधी ने कहा था - 'मैंने स्वामीजी के ग्रंथ बड़े ही मनोयोग से पढ़े हैं और इसके फलस्वरूप देश के प्रति मेरा प्रेम हजारों गुना बढ़ गया है।' पंडित जवाहरलाल नेहरू का कथन है - 'मुझे पता नहीं आज की युवा पीढ़ी में से कितने लोग स्वामी विवेकानन्द के लेख और व्याख्यान पढ़ते है, पर मेरी पीढ़ी के अनेक युवक उनसे अत्यधिक प्रभावित हुए थे और मेरा विचार है कि वर्तमान पीढ़ी भी यदि स्वामी जी के व्याख्यान और उनकी रचनाओं का अनुशीलन करे तो उसका बड़ा उपकार होगा।' भारत के पुनर्निर्माण के स्वामीजी के आवेदन की चर्चा करते हुए राष्ट्र कवि दिनकर ने लिखा है - 'स्वामी विवेकानन्द जिस स्वप्न के कवि थे, महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू बाद में चलकर उसी के इंजीनियर हुए।'

स्वामी जी यद्यपि सन्यासी थे लेकिन उन्होंने कभी भी संसार और जीवन से पलायन का संदेश नहीं दिया। संसार में रहते हुए संसार से जूझते रहने की प्रेरणा वे आजीवन देते रहे। संसार से जूझते हुए ही आदमी संसार से - उसके दुःख जंजालों से मुक्ति पाने का रास्ता पाता है। वे अदम्य विश्वास के साथ यह बात सबको समझाते थे कि : संसार में डूबकर कर्म का रहस्य जानो। संसार - यंत्र के पहियों से भागो मत। भीतर जाकर देखो कि यह कैसे चलता है और विश्वास करो कि इससे निकलने का रास्ता तुम्हें मिल जाएगा।

स्वामीजी का दर्शन और स्वामीजी का जीवन तथा कार्य भारतीय युवाओं के लिये आज प्रेरणा का बहुत बडा स्त्रोत हैं। युवाओं को कर्मयोग के द्वारा राजयोग का मार्ग दिखाने वाली यह दिव्य ज्योति 12 जनवरी 1863 को प्रकाशवान हुई थी और 4 जुलाई 1902 को महाज्योति में विलीन हो गई। स्वामीजी के जीवन दर्शन, व्याख्यान आज के प्रतिस्पर्धा से उत्पन्न निराशा में घिरे युवाओं के लिये प्रखर मार्गदर्शक हैं।

जितेन्द्र देवतवाल 'ज्वलंत'
शाजापुर म.प्र

शेयर होल्डिंग पीरियड क्या है ?

शेयर बाज़ार एक ऐसी जगह हैं जहां बहुत सारे लोग दुनिया में कहीं से भी एक ही समय में अलग अलग फाइनेंसियल सिक्योरिटीज के साथ ट्रेड कर सकते हैं। हर एक सेकंड में लाखों का ट्रेड होता है। कुछ लोग अपने शेयरों को जमा कर लेते हैं जबकि अन्य इसे उसी समय खरीद लेते हैं। एक साथ पैसे लगाने का पहला उद्देश्य है पैसे बनाना। कोई शेयर खरीदता है तो वह जितने खर्च किये उसमे वृद्दि की उम्मीद के साथ ही खरीदता है। जबकि जब शेयर में खर्च करते है तो कितना वापस आएगा इसको ध्यान में रख कर ही खर्च करते है। लेकिन बाज़ार रिटर्न का एक महत्वपूर्ण पहलू अक्सर कई लोग भूल जाते है। निवेश की समय अवधि। निवेश की समय अवधि पर सोचे बिना कोई भी रिटर्न बेकार है। एक साल में एक निवेश पर 10% रिटर्न एक मांग के बाद प्रस्ताव का है, लेकिन 5 सालों में 10% वापसी सही नहीं हो सकती है। जब कोई निवेश के टाइम के बारे में बात करता है, तो होल्डिंग पीरियड ज़रूरी हो जाता है।

होल्डिंग पीरियड क्या है?

होल्डिंग पीरियड केवल एक विशेष संपत्ति में खर्च किया गया समय है। यह एक सुरक्षा की खरीद और बिक्री के बीच का समय है। लम्बे समय की स्थिति में, होल्डिंग पीरियड एक संपत्ति की ख़रीद और बिक्री के बीच का समय है, जबकि कम समय की स्थिति में, होल्डिंग पीरियड जब सुरक्षा विक्रेता द्वारा ख़रीदी जाती है और जब इसको वापस ऋणदाता को दे दिया जाता है उसके बीच का समय है।

होल्डिंग पीरियड का महत्व

होल्डिंग अवधि मुख्य रूप से दो चीज़ों के लिए जरूरी है-रिटर्न और कराधान। कुछ संपत्तियों पर लगाए गए कर को निवेश की अवधि के आधार पर देखा जाता है। यदि किसी तय सीमा से पहले संपत्ति को बेचा जाता है और यदि आप किसी लाभ पर संपत्ति बेचते हैं, तो यह अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर को आकर्षित करता है। दूसरी तरफ, लंबे समय के लिए रखी गई संपत्ति दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को आकर्षित करती है। इसी तरह से, यदि आपको अपने निवेश पर नुकसान होता है, तो आपको कुछ नियमों के साथ भविष्य में होने वाले लाभ के लिए नुकसान की भरपाई करने की अनुमति दी जा सकती है।

होल्डिंग पेरोइड का उपयोग इन्वेस्टमेंट पर रिटर्न को कैलकुलेट करने में भी किया जाता है। एक एक्युइटी इन्वेस्टमेंट कई तरीकों से भुगतान करता है। शुरुआत में किये गये निवेश की वैल्यू बढ़ती है और साथ ही कई कंपनियां लाभांश भी देती हैं। जब आप होल्डिंग पीरियड रिटर्न को देखते हैं, तो आप निवेश के मूल्य में वृद्धि के साथ लाभांश जैसे निवेश से सभी आय को ध्यान में रखते हैं। होल्डिंग पीरियड रिटर्न विभिन्न अवधियों के साथ विभिन्न निवेशों की तुलना करने में मदद करता है।

होल्डिंग पीरियड को कैसे कैलकुलेट करें?

मिनिमम होल्डिंग पीरियड के साथ स्टॉक की सिफारिशों को देखना आम बात है। सभी अनुभवी निवेशक कुल रिटर्न की कैलकुलेशन के समय स्टॉक होल्डिंग पीरियड को ध्यान में रखते हैं। होल्डिंग पीरियड स्टॉक ख़रीदे जाने के दिन से स्टॉक बेचे जाने के दिन के बीच का समय है। उदाहरण के लिए, मोहन 10 नवंबर को के शेयर खरीदता है और 21 दिसंबर को इसे बेचता है। इन्वेस्टमेंट के लिए होल्डिंग पीरियड 11 नवंबर से 21 दिसंबर तक था। एक बार जब आपको होल्डिंग पीरियड मिल जाता हैं, तो आप होल्डिंग पीरियड रिटर्न भी निकाल सकते हैं। होल्डिंग अवधि रिटर्न निकालने के लिए, सूत्र का उपयोग करें, [Income + [EOPV – IV)]/IV)], जहां ईओपीवी अवधि मूल्य का अंत है और IV प्रारंभिक मूल्य है। रिटर्न कैलकुलेट करने में होल्डिंग पीरियड का महत्व साफ़ है। आइये हम लाभ और हानि के कराधान पर होल्डिंग पीरियड के प्रभाव को देखें।

पूंजीगत लाभ

पूंजीगत लाभ कोई भी लाभ या 'पूंजीगत संपत्ति' से लिया गया लाभ है। बिक्री से हुए लाभ को कराधान के उद्देश्य से 'आय' माना जाता है और इसलिए लाभ पर कर का भुगतान करना होता है। पूंजीगत लाभ दो प्रकार के हो सकते हैं-शोर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म। जबकि जमीन, घर, प्रॉपर्टी, पेटेंट आदि जैसी सभी पूंजी संपत्तियां हैं, आइए हम केवल एकसमान शेयरों को देखते है। शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स को बाँटने के लिए होल्डिंग पीरियड होल्डिंग पीरियड के अनुसार बदलता रहता है। एकसमान शेयरों के मामले में, यदि यह 12 महीने से कम समय के लिए किया जाता है तब परिसंपत्ति को शोर्ट टर्म परिसंपत्ति माना जाता है यदि स्टॉक 1 साल से अधिक समय तक किया जाता है, तो इसे लॉन्ग टर्म परिसंपत्ति माना जाता है और बिक्री से लाभ या हानि के अनुसार कर लगाया जाता है। सिक्योरिटीज पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स 10 % से अधिक और 1 लाख रुपये से अधिक है। इसका मतलब है कि स्टॉक का होल्डिंग पीरियड 12 महीने से अधिक है और आपने इन्वेस्टमेंट पर 1 लाख रुपये से भी कम कमाया है, आपको कोई कर नहीं देना होगा। यदि सिक्यूरिटी ट्रांजेकशन टैक्स लागू है तो शोर्ट टर्म कैपिटल गेन पर 15% टैक्स लगाया जाता है। यदि सिक्यूरिटी ट्रांजेकशन टैक्स लागू नहीं है, तो शोर्ट टर्म कैपिटल गेन को आय में जोड़ा जाता है और करदाता को आय के हिसाब से कर देना होता है।

निष्कर्षः कराधान और रिटर्न के साथ, अगर कंपनी लाभांश की घोषणा करती है तो होल्डिंग पीरियड का महत्व बढ़ जाता है। जब एक कंपनी लाभांश की घोषणा करती है, तो वहाँ मिनिमम होल्डिंग पीरियड की आवश्यकता होती है। शेयरधारक को स्टॉक लाभांश तभी मिल सकता है, यदि उसने निश्चित अवधि के लिए स्टॉक रखा है। लाभांश देने से पहले मिनिमम होल्डिंग पीरियड को चेक किया जाता है। होल्डिंग पीरियड स्टॉक इन्वेस्टमेंट के लिए एक नज़रिया देता है एक होल्डिंग पीरियड के बिना, दो परिसंपत्तियों के रिटर्न की तुलना करना मुश्किल होगा। होल्डिंग पीरियड एकसमान इन्वेस्टमेंट से उत्पन्न रिटर्न का व्यापक नज़रिया देती है।

वर्ष 2022-23 के दौरान सेवानिवृत्त होने वाले राज्य कर्मचारी 25 जनवरी तक ऑनलाईन आवेदन करें, जिससे 01 अप्रैल 2022 तक भुगतान की कार्यवाही की जा सकें

हिलव्यू समाचार

जयपुर। वर्ष 2022-23 के दौरान सेवानिवृत होने वाले राज्य कार्मिक जो जयपुर संभाग द्वितीय के अधीनस्थ जिला कार्यालयों, अलवर, सीकर, दौसा एवं झुंझुनू में पदस्थापित है वे समस्त राज्य कर्मचारी अपनी राज्य बीमा पॉलिसी के भुगतान हेतु दावा प्रपत्र ऑनलाईन 25 जनवरी 2022 तक ऑनलाईन पूर्ति कर रिकॉर्ड बुक, मूल बीमा पॉलिसी एवं पदस्थापन विवरण सहित संबंधित जिला कार्यालयों को भिजवाए जिससे इन पालिसियों की परिपक्वता तिथि 01 अप्रैल 2022 तक भुगतान की कार्यवाही की जा सके। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती संतोष अमिताभ ने बताया कि जयपुर संभाग (द्वितीय) के अधीनस्थ जिला कार्यालयों अलवर, सीकर, दौसा एवं झुन्झुनू में राज्य कर्मचारियों की 01 अप्रैल 2022 को कुल 3002 राज्य बीमा पॉलिसी परिपक्व होने जा रही है। विभाग इन राज्य बीमा पॉलिसियों का दिनांक 01 अप्रैल 2022 को भुगतान करने हेतु कृतसंकल्पित है। वर्ष 2022-23 के दौरान सेवानिवृत्त होने वाले समस्त राज्य कर्मचारी अपनी राज्य बीमा पॉलिसी के भुगतान हेतु दावा प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करें तथा सभी आहरण एवं वितरण अधिकारी संबंधित जिला कार्यालयों को दावा प्रपत्र ऑनलाईन पूर्ति कर प्रेषित करें। अमिताभ ने बताया कि जो राज्य कर्मचारी 01 अप्रैल 2022 को परिपक्वता तिथि पर बीमा राशि का भुगतान नहीं लेना चाहते है उनके लिए दो विकल्प उपलब्ध है- 'राज्य बीमा पॉलिसी को आगामी एक वर्ष के लिए विस्तारित करना' या 'राज्य बीमा पॉलिसी के परिपक्वता राशि का भुगतान 01 अप्रैल 2022 को जी.पी.एफ खाते में स्थानांतरित करना।' इसलिए सभी संबंधित विभागों से यह अपेक्षा की गई है कि बीमेदारों की 01 अप्रैल 2022 को परिपक्व होने वाली राज्य बीमा पॉलिसियों के दावा प्रपत्र अथवा विकल्प पत्र दिनांक 25 जनवरी 2022 तक ऑनलाईन पूर्ति कर रिकॉर्ड बुक, मूल बीमा पॉलिसी एवं पदस्थापन विवरण सहित संबंधित जिला कार्यालयों को भिजवाना सुनिश्चित करें, ताकि इन पॉलिसियों की परिपक्वता तिथि 01 अप्रैल 2022 तक भुगतान की कार्यवाही की जा सकें।

झड़ते और सफेद बालों की समस्या ख़त्म कर देगा नीम, बस ऐसे करें प्रयोग

अगर आप भी झड़ते और बेजान बालों से परेशान हैं तो ये खबर आपके काम की है. हम आपके लिए नीम का हेयर मास्क लेकर आए हैं, जो बालों का ख़ास ख़्याल रखता है। नीम होम्योपैथी दवाओं में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी-बूटी है। नीम के पत्तों में एंटी बैक्टीरियल, एंटी वायरल, एंटी माइक्रोबियल, एंटी सेप्टिक, एनाल्जेसिक, एंटी पायरेटिक, एंटी डायबिटिक और एंटी फंगल गुण होते हैं. यही वजह है कि नीम हमारी त्वचा के साथ बालों के लिए भी फायदमंद है। आयुर्वेद के अनुसार, नीम, आंवला, शिकाकाई, रीठा ऐसी जड़ी-बूटियां हैं, जो बालों के लिए फायदेमंद है।

बालों के लिए नीम का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं..आइए जाने-

1. करी पत्ता और नीम

इस हेयर पैक को बनाने के लिए आप करी पत्ते के पाउडर के साथ-साथ नीम के पत्तों के पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सबसे पहले नीम के कुछ पत्तों को सुखा लें। फिर इन्हें पीसकर पाउडर बना लें।

अब एक मुट्ठी करी पत्ते लें और इन्हें पीसकर पाउडर बना लें।

एक कटोरी में 2-3 चम्मच नीम के पत्तों का पाउडर और करी पत्ते का पाउडर लें।

इन्हें एक साथ मिलाएं और फिर इसमें थोड़ा पानी डालें और एक पेस्ट तैयार करें।

इसे स्कैल्प पर लगाएं और कुछ मिनट के लिए हल्के हाथों से मसाज करें।

एक घंटे तक इसे लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैम्पू ले सिर धो लें।

इस हेयर पैक को सप्ताह में दो बार इसे लगा सकते हैं।

इससे बाल बालों का झड़ना कम हो सका है और चमक वापस आएगी।

2. इस तरह धोएं बाल

एक मुट्ठी ताजा नीम के पत्ते लें और इन्हें अच्छी तरह धो लें। नीम के पत्तों को 4-5 कप पानी में उबालें और पानी के हरे होने तक इंतजार करे।

पानी को छान लें. इसे एक कंटेनर में इकट्ठा करें।

फिर नीम के पानी को थोड़ा ठंडा होने दें।

अपने बालों को शैम्पू करने के बाद नीम के पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नीम का इस्तेमाल करने का ये सबसे अच्छा और आसान तरीका है।

3. नीम का हेयर मास्क

नीम के कुछ पत्तों को सुखा लें और ग्राइंडर की मदद से इनका पाउडर बना लें।

एक बाउल में 3-4 चम्मच नीम का पाउडर लें।

इस में पर्याप्त मात्रा में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें।

नीम के पेस्ट को पूरे स्कैल्प और बालों पर लगाएं।

माइल्ड शैम्पू से बाल धो लें।

शैम्पू से धोने से पहले इसे 40 मिनट के लिए लगा रहने दें। हफ्ते में एक से 2 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

Pink #Café

P. No, 541, Lane Number 6, near Shani Mandir, Raja Park, Jaipur, Rajasthan

A place With Lush green, open mic arena
and delicious food with beautiful scenic view
is now open for your friends and family
Always there to Celebrate your special days here

25% Discount offer

Go on Instagram handle of "pinkhashtagcafe"
for more details

PINKHASHTAGCAFE

Rivaaj Clothing

Rivaaj Clothing

http://www.rivaajclothing.com

Rivaajjaipur rivaajclothingjaipur@gmail.com

Shivgyan Commercial Block
Lane 3, Rajapark, Jaipur
+91 1412621223

कई बार अपने शर्मीले स्वभाव की वजह से हम लाइफ में कई आसान मौकों को छोड़ देते हैं जो हमारे लिए शायद बहुत ही जरूरी थे. वह चाहे करिअर में ग्रोथ से

झिझक छोड़ो, रफ्तार पकड़ो

शर्मीले स्वभाव में लाएं बदलाव

जुड़ा हो या दोस्ती-यारी बढ़ाने का मौका, हम झिझकते रह जाते हैं और समय रफ्तार ले लेता है. छूट चुके उन मौकों का पछतावा हमें हमेशा परेशान भी करता है. हम खुद की सोच में ऐसा क्या बदलाव ला सकते हैं जिससे हमारे अंदर की झिझक और शर्मिंगदी कम हो और हम भी औरों की तरह लाइफ को खुलकर एंजॉय कर सकें.

शर्माना नहीं है बुरी आदत

सबसे पहले तो खुद को ये समझाएं कि शर्माना कोई बुरी आदत नहीं है. ऐसा करने से आपके अंदर का आत्मविश्वास जगेगा और आप पब्लिक प्लेस या भीड़ वाली जगह में बिना किसी हीन भावना के जा सकेंगे.

बेइज्जती होने का डर निकाल दें

यह बात मन में ठान लें कि आपकी इज्जत इतनी हल्की नहीं कि कोई भी बेइज्जत कर दे. अगली बार आप जब किसी पार्टी में जाएं तो यह मन में ठान कर जाएं. दरअसल अधिकतर शर्मीले लोग यही सोचकर भीड़ में खुद को दूर कर लेते हैं.

अस्वीकार्यता को लेकर ईजी रहें

कई बार हम भीड़ में या लोगों के बीच जाने से इसलिए भी झिझकते हैं कि हमें लगता है कि दूसरे हमसे नफरत करते हैं या पसंद नहीं करते. लेकिन दरअसल यह आपके मन का वहम है. ऐसी बातें हों भी तो इसे ईजी लें.

इस तरह उठाएं कदम

शर्मीलेपन को कम करने के लिए आप छोटे-छोटे कदम उठाएं. शुरुआत दोस्तों के साथ करें. उनके साथ समय बिताएं और दोस्तों के साथ होने वाली छोटी से छोटी पार्टी में भी शामिल जरूर हों. ये छोटी पार्टियां ही आपको खूब सारे लोगों के सामने खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करेंगी.

सिर उठाकर बात करें

जब भी किसी से बात करें तो सिर उठाकर आई कांटैक्ट के साथ करें. ऐसा करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप मजबूत दिखेंगे. आपकी झिझक भी कम होगी.

खुद को कमतर न आंकें

आप मिरर में देखकर बात करें और खुद को याद दिलाएं कि जो भी काम करते हैं, आप उसके विशेषज्ञ हैं, आपसे बेहतर कोई नहीं. ऐसी बातें आपको भीड़ में भी अपनी अहमियत याद दिलाएंगी.

लुक पर दें ध्यान

अगर आपको लगता है कि आप बेहतर नहीं दिखते तो लुक पर ध्यान दें और जरूरत लगे तो विशेषज्ञ की मदद लें. हालांकि लोग लुक से ज्यादा उन लोगों को पसंद करते हैं, जो आत्मविश्वास से भरे इंट्रेस्टिंग पर्सन होते हैं.

होम डेकोर ट्रेंड

छोटे-छोटे डेकोरेटिव आइटम भी एक सामान्य घर और कमरे को मॉर्डन और डिसेंट बना देते हैं. कई बार क्रिएटिव तरीके से घर को सजाने पर पुराना कमरा भी नया जैसा लगता है. आजकल के लोग समय के साथ घर और रूम को डेकोर करते रहते हैं.

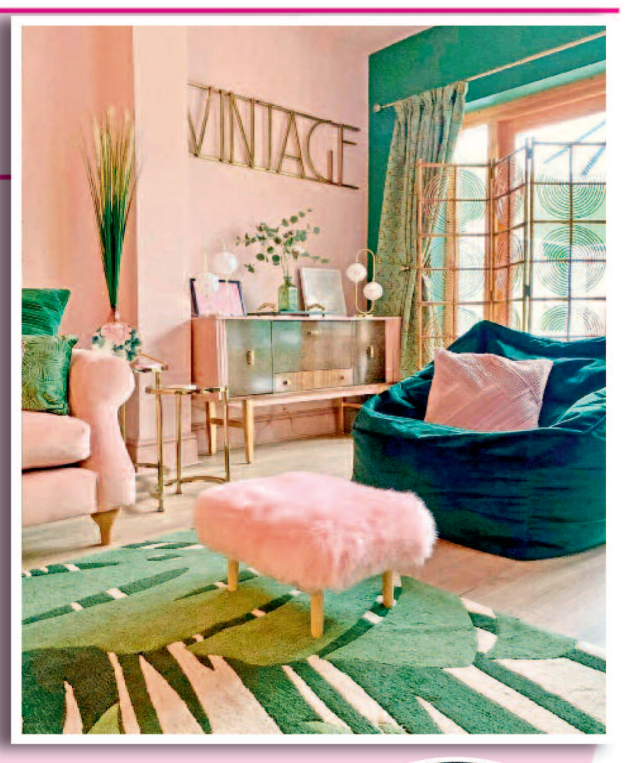

विंटेज अंदाज में घर सजाएं

शायद आपको नहीं मालूम हो लेकिन एक रिसर्च के मुताबिक, आने वाले नए साल में विंटेज होम डेकोर ट्रेंड में रहने वाला है. ऐसे में अगर आपके पास कोई विंटेज सामान है तो आप कमरे को सजा सकती हैं. इसके लिए आप कुछ विंटेज सामान को बाजार से भी खरीद सकती हैं. विंटेज होम डेकोर में आप विटेंज घड़ी, वुडन फर्नीचर, छोटे-छोटे विंटेज चीजों से घर को सजा सकती हैं. इसके अलावा आप कमरे का कलर भी विंटेज अंदाज में पेंट करवा सकती हैं.

इंडोर प्लांट्स

आजकल होम डेकोर को लेकर सबसे अधिक इंडोर प्लांट्स चर्चा में है. वो इसलिए, क्योंकि बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लगभग हर कोई घर के अंदर प्लांट्स लगा रहा है. इंडोर प्लांट्स एक तो हवा शुद्ध करते हैं तो दूसरी तरफ घर को खूबसूरत भी बनाते हैं. ऐसे में आप स्पाइडर प्लांट, लकी बैम्बू, चाइनीज एवरग्रीन, वीपिंग फिग ट्री, सागो पाम प्लांट्स और स्नैक प्लांट जैसे छोटे-छोटे पौधों को कमरे को सजाने के लिए उपयोग कर सकती हैं.

पिंक एंड ग्रीन कलर

अगर दस महिलाओं से पूछा जाए कि आपका पसंदीदा कलर कौन सा है, तो ज्यादातर महिलाओं का जवाब होगा कि पिंक कलर मेरा पसंदीदा कलर है. अगर ऐसा है तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आने वाले नए साल में पिंक एंड ग्रीन कलर ट्रेंड कर सकते हैं. अगर आप भी समय के साथ अपने घर और कमरे को नया अंदाज देने वाले हैं तो इन दोनों पेंट में से किसी एक पेंट से घर पेंट करवा सकती हैं.

इन चीजों का भी रखें ध्यान

इसके अलावा आने वाले समय-समय में कुछ ऐसे ही होम डेकोर हैं, जो ट्रेंड में रह सकते हैं. जैसे- घर में नेचुरल लाइट्स का आना, सोफा आदि के लिए कपड़े का चुनाव करना, लिविंग रूम को डेकोर करना, घर के कुछ हिस्सों में स्मार्ट लाइट आदि का इस्तेमाल भी ट्रेंड में रह सकता है. इसके अलावा किचन में बेहतरीन वुडन का इस्तेमाल भी ट्रेंड में रह सकता है.

टीनएजर्स का रखें ध्यान

जब बच्चा कतराए मोबाइल में वक्त बिताए

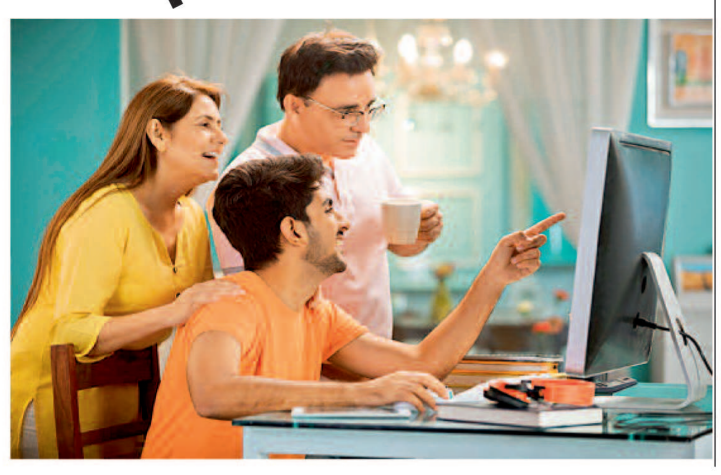

बच्चों की लाइफ में बड़े होने का जो सबसे अहम समय है, वो 13 से 18 साल के बीच का होता है, जिसे टीनएज कहते हैं. इस उम्र में ही बच्चों में सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलते हैं. माता-पिता आसानी से ऐसे बदलावों को नहीं देख पाते, इस कारण उन पर गुस्सा भी करने लगते हैं. क्या आपको भी ऐसा लगता है कि आपके बच्चे के व्यक्तित्व में रातों-रात बदलाव हो गया? वह कम बात करता है या जिद करने लगा है? इसके अलावा बातें नहीं मानता, पढ़ाई में ध्यान नहीं दे रहा है. यहां तक कि टीचर्स भी अब उसकी शिकायत करने लगे हैं. इससे भी बड़ी बात ये है कि वह आपके साथ वक्त बिताने से कतराता है और वो ज्यादातर टाइम मोबाइल देखने में ही स्पेंड करता है. ये प्रॉब्लम अकेले आपकी नहीं है, किशोर होती संतान के हर माता-पिता को अक्सर इन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. ब्रिटिश साइकोलॉजिस्ट और एज हिल यूनिवर्सिटी की चांसलर तान्या बायरन ने इसे लेकर कुछ पैरेंटिंग टिप्स बताए हैं.

साइकेट्रिस्ट तान्या बायरन कहती हैं कि ये टाइम बच्चे के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है. इस 'डिस्कनेक्शन' को खत्म करने के लिए हमें उनके लेवल पर जाकर समझना होगा, सहयोगी अप्रोच रखना होगा. बच्चों से दोबारा जुड़ने के लिए ये तरीके कारगर हो सकते हैं.

कुछ मिनट साथ रहने का लक्ष्य रखें

हफ्ते में एक बार फैमिली टाइम जरूर रखें. शुरुआत छोटी करें ताकि उन्हें यह न लगे कि दबाव डाला जा रहा है. उनके साथ गेम्स खेलें, पुराना फैमिली वीडियो देखें. यदि वे बीच में जाना चाहें तो गुस्सा न हों. उन्हें अच्छा महसूस करवाएं. जिन बच्चों का साथ रहने का मन नहीं है, उनके लिए थोड़े मिनट का समय रखें, धीरे-धीरे ये समय बढ़ता जाएगा.

खुद भी करें अमल

एक टीनएज/किशोर के तौर पर बच्चों का दिमाग डेवलपमेंट के बड़े परिवर्तनों से गुजरता है, ऐसे में वो नहीं जुड़ रहे हैं तो इसे पर्सनल न लें. बच्चे को अपना डेली रूटीन बनाने के लिए प्रेरित करें. शुरुआत खुद से करें. कोई ऐसा वक्त तय करें, जब घर के सभी सदस्य मोबाइल बंद रखें. आप सहमत नहीं हों, तब भी अमल करें. इससे घर का माहौल सकारात्मक होगा. जब बच्चे देखेंगे कि आप भी ऐसा ही कर रहे हैं तो वो भी इसे मानेंगे.

दिखाने को कहें, हो सके तो साथ खेलें. उनसे पूछें कि साथ वक्त बिताने में कौन सी बातें मददगार हो सकती हैं.

वो कैसा भी रिएक्शन दें, उनकी तारीफ जरूर करें

अगर डिनर के वक्त बच्चे थाली साइड रखकर उठ जाते हैं, तो भी सराहना करें कि साथ खाना तो खाया. उनकी तारीफ जरूर करें. कनेक्शन की हर कोशिश महत्वपूर्ण है. चाहे बच्चे कैसी भी प्रतिक्रिया दें. धैर्य रखें, हर बार पॉजिटिव डिस्कशन होगा तो वो खुद आपकी ओर कदम बढ़ाएंगे, उनके लिए भी यह हैरान करने वाला समय है. उन्हें आपकी जरूरत है.

पैस्ले प्रिंट से यूनिक स्टाइल

फ्लोरल, ज्योमेट्रिक, एनिमल, डिजिटल, पैचवर्क प्रिंट के बारे में तो सुना ही होगा. पर क्या आपने पैस्ले प्रिंट के बारे में सुना है? पैस्ले प्रिंट को आप न सिर्फ ब्लाउज, पैंट-सूट, स्कार्फ, स्कर्ट में देखेंगे, बल्कि यह प्रिंट एक्सेसरीज में भी इन है.

अमूमन जब भी महिलाओं की स्टाइलिंग की बात होती है तो वह सबसे पहले आउटफिट के कलर के अलावा, प्रिंट्स आदि पर भी पूरा ध्यान देती हैं. ऐसे में पैस्ले प्रिंट्स को स्टाइल कर ट्रेंडी दिखा जा सकता है. इसे विंटर प्रिंट भी कहा जाता है. इस पैस्ले प्रिंट को कुछ अमेजिंग तरीकों से अपने स्टाइल में ऐड कर आप दिखेंगी बेहद ग्लैमरस. वैसे मेन्स वियर में पैस्ले प्रिंट एक टचस्टोन माना जाता है. पैस्ले प्रिंट कई दशकों से पुरुषों की शर्ट में दिखा, बाद में कैप, सॉक्स जैसी एक्सेसरीज में भी यह शामिल होने लगा. आपको जानकर आश्चर्य होगा कि सदियों पहले इस प्रिंट का इस्तेमाल शाही कपड़ों और मुकुटों को सजाने के लिए किया जाता था.

टॉप या ब्लाउज में

पैस्ले प्रिंट्स की साड़ी पहनना तो बेहद आम है, लेकिन अगर आपको ओवरऑल लुक में पैस्ले प्रिंट्स कैरी करना अच्छा नहीं लगता है तो ऐसे में आप पैस्ले प्रिंट्स साड़ी ब्लाउज, क्रॉप टॉप या टॉप में कैरी कर सकती हैं. प्लेन साड़ी के साथ एंब्रॉयडेड हैवी पैस्ले प्रिंट्स ब्लाउज को कैरी कर खूबसूरत दिखा जा सकता है. अगर आप चाहें तो इसमें कलर कॉन्ट्रास्टिंग का ऑप्शन भी सिलेक्ट कर सकती हैं.

एक्सेसरीज

अगर आप ऑफिस में पैस्ले प्रिंट्स को यूनिक अंदाज में कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में आप इस प्रिंट्स के बैग्स को कैरी करने पर विचार करें. वैसे सॉलिड कलर्स हैंडबैग्स आपके लुक को बेहद बोल्ड बनाते हैं. अगर आप एक सटल लेकिन स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो ऐसे में पैस्ले प्रिंट्स बैग्स कैरी करना एक अच्छा आइडिया हो सकता है. पैस्ले प्रिंट्स हील्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं.

बॉटम वियर को दिखाएं खास

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक के लिए पैस्ले प्रिंट्स को आप बॉटम वियर में कैरी करें. बॉटम में पैस्ले प्रिंट्स बेहद स्टाइलिश लगता है. गर्मियों में जहां हमेशा पैस्ले प्रिंट्स वाले शॉर्ट्स इन रहते हैं, तो वहीं इस सीजन वाइड लेग पैंट या लूज पैंट के साथ जरूर ट्राई करें.

पैस्ले प्रिंट्स बॉटम्स प्लेन व्हाइट टॉप या व्हाइट शर्ट के साथ फबते हैं. अगर आप आउटिंग पर इसे पहन रही हैं तो नेकपीस के जरिये अपने लुक को और भी ज्यादा अट्रैक्टिव दिखा सकती हैं.

किस्मत से मिलते हैं ऐसे दोस्त

दुनिया में हर इंसान के दोस्त होते हैं. किसी के कम तो किसी के ज्यादा लेकिन हर किसी की लाइफ में कोई दोस्त जरूर होता है. हां, बढ़ती उम्र के साथ दोस्तों की संख्या कम होती जाती है क्योंकि वक्त के उतार-चढ़ाव के बीच आपको पता चलता जाता है कि कौन आपका असल में दोस्त है और कौन नहीं. हर तरह के दोस्तों की भीड़ में कुछ दोस्त ऐसे होते हैं, जिन्हें आपको कभी खोना नहीं चाहिए क्योंकि ऐसे दोस्त किस्मत वाले लोगों को ही मिलते हैं.

मोटिवेट करने वाले

किसी को मोटिवेट करने के लिए पॉजिटिव अप्रोच बेहद जरूरी है. कोई पॉजिटिव इंसान ही किसी को मोटिवेट कर सकता है. लाइफ में कभी-कभी ऐसा होता है, जब सबकुछ हमारे खिलाफ जाता है. ऐसे में आप सारी उम्मीदें छोड़ने लगते हैं. ऐसे वक्त में अगर आपका दोस्त आपको मोटिवेट करता है तो ऐसा दोस्त भगवान के दिए उपहार से कम नहीं है.

मदद के लिए हमेशा तैयार रहने वाले

हर किसी की लाइफ में कोई न कोई इश्यू है लेकिन फिर भी अपने झमेले भूलकर आपकी हेल्प के लिए हमेशा तैयार रहने वाला दोस्त आपके लिए किसी हीरे की तरह ही कीमती है. ऐसे दोस्त को कभी भी अपने से दूर न जाने दें.

इंट्रोवर्ट फ्रेंड

इंट्रोवर्ट लोगों की सबसे खास बात यह होती है कि ये बहुत कम लोगों के क्लोज होते हैं और अपने दोस्तों को कभी रिप्लेस नहीं करते. ऐसे दोस्त बोलते बेशक कम हों, लेकिन आपको सबसे ज्यादा समझते हैं. ये अपने सर्कल में सबसे खुशमिजाज और जिंदादिल होते हैं. ऐसे में आप इनके साथ अकेलापन फील नहीं कर सकते.

आपकी खुशी में खुश होने वाले

दुनिया में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जो आपकी खुशियों में खुश होते हैं. जिनके लिए आपकी अचीवमेंट बहुत मायने रखती है. आपके पास अगर ऐसा कोई दोस्त है, तो उन्हें संभालकर रखें.

बातों को ध्यान से सुनने वाले

आजकल हर कोई बोलना चाहता है, सुनना कोई नहीं चाहता. दुनिया की इस सच्चाई से परे अगर आपके पास ऐसा दोस्त है, जो हमेशा आपकी बात सुनता हो और आपकी प्रॉब्लम को सुनकर सॉल्यूशन भी देता हो, तो यकीनन आप बेहद लकी हो.

हमेशा रहें तैयार

अगर आपको लगता है कि आने वाले समय में स्थितियां आपके लिए तनावपूर्ण हो सकती हैं तो खुद को पहले से ही मानसिक रूप से तैयार कर लें. इससे आपको उसका सामना करने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी.

सामाजिक दायरा बढ़ाएं

तनाव के दौर में अकेले रहने के बजाय अपने परिवार, खास दोस्तों व रिश्तेदारों के साथ रहें. भले ही आप उनसे अपनी हर परेशानी शेयर न करें, फिर भी आप काफी बेहतर महसूस करेंगे.

रखें खुद पर विश्वास

हालात जैसे भी हों, अपना आत्मविश्वास कभी न डगमगाने दें. अपने विचारों का मूल्यांकन करने के साथ ही इस बात की भी जानकारी रखें कि क्या हो रहा है या चल रहा है. इससे स्थितियां स्पष्ट होंगी और आपको नई राह भी दिखेगी.

स्ट्रेस सिचुएशन को करें कंट्रोल

तनाव किसी भी तरह का हो, सेहत के लिए हमेशा नुकसानदायक ही होता है. कई बार हम ऐसी छोटी-छोटी बातों को लेकर भी तनाव में रहने लगते हैं, जो बहुत ही छोटी होती हैं और गौर करें तो इनका जिंदगी पर कोई खास प्रभाव भी नहीं पड़ता लेकिन फिर भी ज्यादातर लोग इसका शिकार हो जाते हैं. तो कुछ ऐसे टिप्स एंड ट्रिक्स हैं जो तनाव की स्थिति को दूर करने में आपके लिए मददगार साबित होंगे.

बच्चों को अहम लगने वाली चीजों में शामिल हों

बातचीत के लिए सही वक्त चुनें. एक ही कमरे में साथ बैठकर कुछ न कहकर भी बहुत कुछ कह सकते हैं. ऐसा करने से तनाव व चिंता कम होगी. उनके साथ ऐसे पारिवारिक फोटो या वीडियो देखें, जिनमें वे खुलकर हंस रहे हैं. उन्हें महत्वपूर्ण लगने वाली चीजों में शामिल हों. उन्हें पसंदीदा वीडियो गेम खेलकर

संवाद भी है जरूरी

अपनी भावनाओं को दूसरों के सामने सही ढंग से प्रकट कर आप काफी हद तक तनाव से दूर रह सकते हैं. अपनी इच्छाओं व विचारों को स्पष्ट रूप से सामने रखने से पर्सनल व प्रोफेशनल रिश्ते भी बेहतर होते हैं.

बचें दवाओं के सेवन से

किसी भी प्रकार के सेडेटिव्स, कैफीन व एल्कोहल के सेवन से दूर रहना चाहिए. इनका इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद हानिकारक है.

रिश्तों में समझदारी

अगर कोई रिश्ता आपको खुशी देने के बजाय लगातार तनाव दे रहा हो तो किसी उम्मीद की आस में उसे जबर्दस्ती निभाते न रहें. धैर्य के साथ समस्या सुलझाएं.

स्वस्थ हो जीवनशैली

फिट रहकर भी आप तनाव को दूर रख सकते हैं. व्यायाम, पौष्टिक आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच से आप अपनी जीवनशैली में संतुलन बना सकते हैं.

लें प्रोफेशनल सहायता

जब आप अपने तनाव को झेलने में असमर्थ महसूस कर रहे हों तो किसी काउंसलर की सलाह लेने में बिलकुल भी न हिचकिचाएं. वह आपकी समस्या सुलझाने के साथ ही जीवन में बदलाव लाने में भी मदद करेगा.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022

प्रिकॉशन डोज अभियान शुरू, राज्यपाल कलराज मिश्र ने लगवाई बूस्टर डोज

हेल्थ वर्कर, फंटलाइन वर्कर्स, गंभीर बीमारी वाले सीनियर सिटीजन का वैक्सीनेशन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कोविड-19 टीके की प्रिकॉशन डोज की शुरुआत होने पर राज्यपाल कलराज मिश्र और राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र ने सोमवार को राजभवन में तीसरी खुराक लगवाई यानी प्रिकॉशन डोज लगवाई. राज्यपाल कलराज मिश्र ने अपील की है कि कोरोना की तीसरी लहर से बचने के लिए सभी पात्र वरिष्ठ नागरिक, स्वास्थ्य कर्मी और कोरोना योद्धा कोविड-19 टीके की प्रिकॉशन डोज जरूर लगवाएं. उन्होंने 2007 और इसके बाद जन्मे 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों का भी अधिक से अधिक कोरोना टीकाकरण करवाने का आह्वान किया. कोरोना के नए वेरिएंट्स का प्रसार तेजी से बढ़ रहा है. इससे बचने के लिए सभी लोग मास्क पहनें, दो गज की सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा बार-बार हाथ धोते रहें। उन्होंने अपील कि बच्चे और बुजुर्ग यथा संभव घर पर ही रहें. अन्य लोग भी अनावश्यक घरों से बाहर नहीं निकलें और राज्य सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन की पालना करें.राज्य में इस श्रेणी के लाभार्थियों की संख्या लगभग 24.15 लाख है. इनमें स्वास्थ्य कर्मी 5.17 लाख, फ्रन्टलाइन कार्यकर्ता 6.48 लाख और 60 वर्ष से अधिक आयु के गंभीर रोगग्रस्त वाले व्यक्तियों की संख्या लगभग 12.50 लाख है।

84 हजार लोगों को प्रिकॉशन डोज लगाई

राजस्थान में सोमवार को पहले दिन 84 हजार 914 लोगों को कोविड की तीसरी फ्री प्रीकॉशन डोज लगाई गई। इसमें हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को 50 हजार 152 और 60 साल से ज्यादा उम्र के गम्भीर बीमारियों वाले 34 हजार 762 बुजुर्गों को वैक्सीन डोज लगाई गई। राज्य में प्रीकॉशन डोज लेने वालों की कुल संख्या लगभग 24.15 लाख है।

मेडिकल डिपार्टमेंट के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि कोविड-19 टीके की प्रीकॉशन डोज ऐप में दर्ज दूसरी खुराक की तारीख से 9 महीने पूरे होने पर दी जा सकेंगी। वैक्सीन लगवाने वाले व्यक्ति को पहले कोविशील्ड या कोवैक्सीन जो भी कोविड वैक्सीन लगाई गई है। उसी वैक्सीन का टीका प्रीकॉशन डोज के तौर पर लगाया जाएगा। डोज लगने के बाद वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट ऑटोमैटिक जनरेट हो जाएगा।

मेडिकल डिपार्टमेंट के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि कोविड-19 टीके की प्रीकॉशन डोज ऐप में दर्ज दूसरी खुराक की तारीख से 9 महीने पूरे होने पर दी जा सकेंगी। वैक्सीन लगवाने वाले व्यक्ति को पहले कोविशील्ड या कोवैक्सीन जो भी कोविड वैक्सीन लगाई गई है। उसी वैक्सीन का टीका प्रीकॉशन डोज के तौर पर लगाया जाएगा। डोज लगने के बाद वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट ऑटोमैटिक जनरेट हो जाएगा।

गालरिया ने सभी लोगों से ऑनलाइन या ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करवा कर ज्यादा से ज्यादा संख्या में वैक्सीनेशन कराने की अपील की है। गालरिया ने कहा कि कोमॉर्बिडिटी वाले 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी लोगों को प्रीकॉशन डोज के लिए डॉक्टर को कोई सर्टिफिकेट देने की जरूरत नहीं होगी।

चिकित्सा मंत्री ने लगवाई प्रिकॉशन डोज, आमजन से की वैक्सीनेशन की अपील

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने गत मंगलवार को एसएमएस अस्पताल के आईडीएच में कोरोना से बचाव के लिए प्रिकॉशन डोज या तीसरी डोज लगवाई। चिकित्सा मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि वैक्सीनेशन के जरिए ही कोरोना जैसी महामारी को मात दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के प्रति आमजन में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 93 प्रतिशत से अधिक आबादी को कोविड की प्रथम डोज व इनमे से 76 प्रतिशत लोगों को द्वितीय डोज लग चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश के 40 प्रतिशत से अधिक 15 से 18 आयु वर्ग के किशोर किशोरियों को प्रथम डोज लग चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रिकॉशन डोज के प्रति भी समूह में है उत्साह है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग एक लाख से ज्यादा लोगों ने वैक्सीन की तीसरी डोज लगवाई है। इस अवसर पर एसएमएस अस्पताल प्राचार्य सुधीर भंडारी, अधीक्षक विनय मल्होत्रा सहित चिकित्साकर्मी व अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बीजेपी में पोस्टर वॉर

आरएसएस से जुड़े सेवा सदन के सामने कालीचरण सर्राफ के खिलाफ पोस्टर, पीएम मोदी पर टिप्पणी मामले में कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान बीजेपी नेताओं में जारी खींचतान पोस्टर वॉर में तब्दील हो गई है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समर्थक बीजेपी विधायक कालीचरण सर्राफ के खिलाफ सेवा सदन के सामने पोस्टर लगा दिया। पोस्टर में कालीचरण सर्राफ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। रविवार को यह पोस्टर लगने के बाद चर्चा होने लगी तो इसे तुरंत हटा दिया गया।

परिवहन भवन से थोड़ी दूरी पर कठपुतली नगर नाले के पास बने सेवा सदन में आरएसएस से जुड़े कई सहयोगी संगठनों के ऑफिस हैं। सेवा सदन में आरएसएस के दिग्गज भी आते रहते हैं। सेवा सदन के सामने राजे समर्थक कालीचरण सर्राफ के खिलाफ पोस्टर लगाने के सियासी मायने हैं। पोस्टर लगाने वाले के बारे में पता नहीं लग पाया है। पोस्टर में कालीचरण सर्राफ की पीएम को लेकर की गई टिप्पणी को मुद्दा बनाया गया है। कालीचरण सर्राफ फिलहाल कोरोना पॉजिटिव हैं। घर पर आइसोलेट हैं। पोस्टर वॉर पर बीजेपी से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सर्राफ ने भी इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया है।

बीजेपी की गुटबाजी उजागर

बीजेपी विधायक के खिलाफ लगे पोस्टर ने बीजेपी की गुटबाजी को उजागर कर दिया है। आगे चलकर सर्राफ विरोधी पीएम को लेकर शेयर किए चुटकुले को मुद्दा बनाएंगे। कालीचरण सर्राफ की गिनती राजधानी जयपुर में बीजेपी के जनाधार वाले नेताओं में होती है। सर्राफ सातवीं बार के विधायक हैं। मालवीय नगर सीट से लगातार जीत रहे हैं।

1 दिसंबर को सर्राफ ने चुटकुला शेयर किया, अब मुद्दा बनाया

कालीचरण सर्राफ ने 1 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक चुटकुला वॉट्स ऐप पर शेयर किया था। इस चुटकुले के अनुसार मोदी ने जिसे भी गले लगाया, उसकी सरकार गिर गई। राहुल गांधी गले मिले तो उनका अध्यक्ष पद चला गया। अब मोदी जी को शी जिनपिंग, इमरान खान, केजरीवाल, उद्धव ठाकरे को भी गले लगाना चाहिए। कालीचरण सर्राफ ने उस वक्त कहा था कि उनकी पोती ने गलती से चुटकुला वॉट्स ऐप पर शेयर कर दिया था।

डॉक्टर ने दिया जीवनदान... पेट से निकाली 12 किलो की गांठ

लगातार बढ़ रहा था मरीज का वजन पेटदर्द और उल्टियों की शिकायत हो रही थी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। बढ़ता वजन समझकर पेट में बढ़ रही गांठ को नजरअंदाज करना मरीज के लिए भारी पड़ गया और वह गांठ का वजन बढ़कर 12 किलो तक पहुंच गया जिसे शहर के डॉक्टर्स ने सावधानीपूर्वक निकालकर मरीज की जान बचा ली। मामला शहर के एसआर कल्ला मेमोरियल हॉस्पिटल का है जहां डॉक्टर्स ने एक महिला के पेट से 12 किलो की भारी भरकम कैंसरस गांठ निकाली। हॉस्पिटल के सीनियर जनरल एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ जयदीप माथुर ने यह केस किया।

खाना-पीना भी हो गया था मुश्किल

डॉ जयदीप ने बताया कि महिला को पेट दर्द और लगातार उल्टियां होने की शिकायत थी। वह अपने लगातार बढ़ते वजन से भी परेशान थी। हमने जांच की तो सामने आया कि मरीज के पेट मे बड़ी गांठ है। यह गांठ करीब तीन साल पुरानी थी, जो धीरे धीरे बढ़ रही थी। समय के साथ इसका आकार बढ़ रहा था। इस बड़ी गांठ के कारण महिला के पेट की आंतों पर दबाव बढ़ रहा था, जिससे न केवल उसे पेट में दर्द महसूस हो रहा था बल्कि उसकी भूख भी बंद हो गई थी। ऐसे में मरीज के शरीर में कमजोरी बढ़ती जा रही थी। इसके बाद गांठ बढ़ती गई तो आमाशय पर दबाव बढ़ने लगा, जिसके कारण जैसे ही मरीज कुछ खाती तो उसे उल्टियां होना शुरू हो जाती थी।

चार घंटे के ऑपरेशन में निकाली गांठ

इस गांठ को निकालने के लिए बड़ी सर्जरी करनी पड़ी। इस ऑपरेशन में करीब 12 किलो की गांठ निकाली गई। ऑपरेशन चार घंटे तक चला। इस ऑपरेशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती तो इतनी बड़ी गांठ ही थी। इसके अलावा सर्जरी के दौरान आंतों को बचाना भी था। डॉ. जयदीप ने बताया कि ऑपरेशन के बाद अब मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार आ रहा है। वह पहले से बेहतर महसूस कर रही हैं और खाना पीना भी शुरू कर दिया है।

50 रुपए में करवाई जा सकेगी रेपिड एंटीजन जांच

जयपुर। राज्य सरकार ने राज्य में निजी जांच प्रयोगशालाओं में कोविड-19 की रेपिड एंटीजन जांच की अधिकतम दर 50 रूपए प्रति जांच निर्धारित कर दी है। प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि आमजन को कम कीमतों पर सहज एवं सुलभ जांच सुविधा उपलब्ध कराने के राज्य सरकार के संकल्प को द्रष्टिगत रखते हुए सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा गठित कमेटी के प्रस्तावानुसार यह दर निर्धारित की है। उन्होंने बताया कि निर्धारित दरें तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। गालरिया ने आदेश की कडाई से पालना सुनिश्चित करवाने और अवहेलना की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ भाजपा का अमर जवान ज्योति पर धरना

जयपुर। राज्य सरकार की सरपरस्ती में नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जयपुर शहर भाजपा अध्यक्ष राघव शर्मा के नेतृत्व में अमर जवान ज्योति पर प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक पार्षदों व भाजपा पदाधिकारियों ने कोरोना प्रोटोकाल का पूर्णतया पालन करते हुए धरना दिया। शहर भाजपा अध्यक्ष राघव शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि एसीबी की कार्यवाही से यह साबित हो गया है कि नगर निगम में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हैं। मामले की पूरी गहराई से जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी का अभियान निरन्तर जारी रहेगा। उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने कहा कि एसीबी की कार्यवाही से खुलासा हो चुका है कि नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी व ठेकेदार रिश्वतखोरी के खेल में लिप्त हैं। आश्चर्यजनक बात यह है कि भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों, कर्मचारियों को सरकार का आशीर्वाद प्राप्त है। राज्य सरकार की सरपरस्ती में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण नगर निगम की छवि धूमिल हो रही है। आम लोगों में यह धारणा बनता जा रही है कि बिना रिश्वत लिए दिए नगर निगम में कोई काम हो ही नहीं सकता जो कि अत्यंत शर्मनाक है। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली राज्य सरकार की नाक के नीचे अधिकारियों की मिलीभगत से निगम में घूसखोरी का खुला खेल चल रहा है। पुनीत कर्णावट ने कहा कि लीपापोती किए बिना मामले की सम्पूर्ण व निष्पक्ष जांच की जाए तथा भ्रष्टाचार में लिप्त सभी अधिकारी, कर्मचारियों को बेनकाब करके उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए। जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को निभाने तथा स्वच्छ एवं भ्रष्टाचार मुक्त शहरी सरकार देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कर्णावट ने कहा कि जड़मूल से समाप्त होने तक भाजपा का भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। धरने में नगर निगम के चेयरमैन जितेंद्र श्रीमाली राखी राठौड़ सुखप्रीत बंसल हरीश शर्मा मीनाक्षी शर्मा सुरेश रेगर शक्ति सिंह मानपुरा अजय चौहान विजेन्द्र पाल पारस जैन शहर महामंत्री कुलवंत सिंह तेज सिंह उपाध्यक्ष अजय पारीख सहित 72 से अधिक पार्षद वह भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों की घोषणा की, राजस्थान को दूसरा स्थान मिला

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज यहां तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2020 की घोषणा की। सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में, उत्तर प्रदेश को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राजस्थान को द्वितीय और तमिलनाडु को तृतीय पुरस्कार मिला है। इस अवसर पर डीडीडब्ल्यूएस की सचिव विनी महाजन भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जल जीवन का मूल है। भारत में पानी की वर्तमान आवश्यकता प्रति वर्ष लगभग 1,100 बिलियन क्यूबिक मीटर अनुमानित है, जिसके वर्ष 2050 तक 1,447 बिलियन क्यूबिक मीटर तक बढ़ जाने का अनुमान है। एक संसाधन के रूप में पानी भारत के लिए महत्वपूर्ण है,

जो दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत में दुनिया की पूरी आबादी का 18% से अधिक लोग रहते हैं, लेकिन इसके पास दुनिया के नवीकरणीय जल संसाधनों का केवल 4% हिस्सा है।

ऊर्जा विकास निगम की होगी रिस्ट्रक्चरिंग, कार्यप्रणाली में लाया जाएगा समयानुकूल बदलावः डॉ. सुबोध अग्रवाल

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने राजस्थान ऊर्जा विकास निगम की कार्यप्रणाली में आमूलचूल बदलाव लाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए अधिकारियों से सकारात्मक सोच के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बदली हुई परिस्थितियों व समय की मांग के अनुसार विभाग की रिस्ट्रक्चरिंग करते हुए अधिकारियों का कार्य विभाजन किया जाएगा।

डॉ.अग्रवाल गुरुवार को विद्युत भवन में राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग की समयानुकूल और पारदर्शी लिटिगेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी ताकि विचाराधीन प्रकरणों में समय पर जबाव दावे प्रस्तुत करने, प्रभावी तरीके से विभागीय पक्ष रखने और प्रकरणों को समयबद्ध निष्पादन की स्थिति में लाने की आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि इससे विभागीय प्रकरणों की मॉनेटरिंग व्यवस्था में भी सुधार होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिजली की मांग और आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए बिजली खरीद की वैज्ञानिक प्रणाली विकसित करनी होगी ताकि बिजली खरीद की लागत को युक्तिसंगत व लाभदायी बनाया जा सके। उन्होंने पीपीए से जुड़े प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

डॉ.अग्रवाल ने अधिकारियों से कहा कि निगम में रिजल्ट ओरियंटेड कार्यप्रणाली विकसित होनी चाहिए। इसके लिए परंपरागत सोच व कार्यप्रणाली बदलनी होगी ताकि कार्य निष्पादन में अनावश्यक देरी के स्थान पर सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सके। उन्होंने विभागीय बैठकों के निर्णयों को समाहित करते हुए अधिकतम तीन दिवस में मिनिट्स जारी करने के निर्देश दिए और निर्णयों की समयबद्ध क्रियान्विति को कहा। ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक भास्कर ए. सावंत ने बताया कि बिजली की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के प्रयासों का ही परिणाम है कि प्रदेश में मांग के अनुसार बिजली की उपलब्धता बनी हुई है। उन्होंने बताया कि बिजली निगमों की मॉनेटरिंग व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

बैठक में संयुक्त सचिव ऊर्जा आलोक रंजन, निदेशक पॉवर पीएस सक्सैना,वित्तीय सलाहकार गोपाल विजय, कंपनी सेकेट्री शिल्पा कासलीवाल, एसई डीएस जायसवाल, मुख्य अभियंता मुकेश बंसल सहित ऊर्जा विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

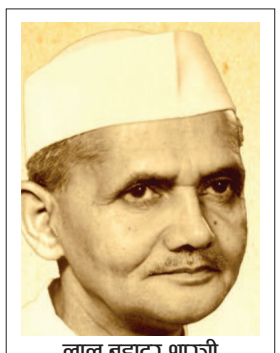

लाल बहादुर शास्त्री 11 जनवरी 1966: पुण्यतिथि पर शत शत नमन

स्वतन्त्र भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री अद्वितीय व्यक्तित्व रहे। उनके विचारों से उनके संघर्ष दृढ़ निश्चय और बुलंद इरादों की झलक साफ नजर आती है। इस अद्भुत व्यक्तित्व लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा देने से लेकर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था। ऐसे महान व्यक्तित्व को उनकी पुण्यतिथि 11 जनवरी पर शत-शत नमन।हिंदुस्तान के दिल में वे हमेशा ज़िंदा रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**